नई दिल्ली ■ गुरुवार 12 मार्च 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 343 ■ पृष्ठ 08

JBT **जनभावना टाइम्स**

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 ईरान- भारत का मित्र या शत्रु ? | 07 फीफा को उम्मीद, विश्व कप फुटबॉल में भाग लेगा ईरान | मलाइका अरोड़ा संग डेटिंग की खबरों पर सोराब बेदी ने तोड़ी चुप्पी 08

तमिलनाडु में बदलाव की लहर, जनता चाहती है राजग सरकार: प्रधानमंत्री मोदी

तिरुचिरापल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को तिरुचिरापल्ली में आयोजित राजग की जनसभा को संबोधित करते हुए द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में बदलाव की लहर तेज हो रही है और राज्य की जनता डीएमके सरकार को हटाकर ऐसी सरकार चाहती है जो हर परिवार के लिए काम करे, न कि केवल एक परिवार के लिए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वह तमिलनाडु के लोगों से निरंतर जुड़े रहते हैं, चाहे राज्य में रैलियां हों, देशभर में व्यक्तिगत मुलाकातें हों या काशी तमिल संगमम जैसे कार्यक्रम। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता की नब्ज उन्हें साफ दिखाई दे रही है और इस चुनावी मौसम में बदलाव की इच्छा तेज होती जा रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार तमिलनाडु के विकास के लिए बड़े पैमाने पर निवेश कर रही है। हाल ही में उन्होंने मदुरै में 4400 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं से जुड़े कार्यक्रम में हिस्सा लिया था, जबकि तिरुचिरापल्ली में लगभग 5600 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया है। इससे पहले करीब 20 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं से जुड़े कार्यक्रम भी आयोजित किए गए थे। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु की संस्कृति और वास्तुकला दुनिया भर के लोगों को आकर्षित करती है। तिरुचिरापल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नए टर्मिनल के निर्माण के बाद लोगों ने इसकी आधुनिकता और तमिल संस्कृति की झलक की सराहना की है। उन्होंने घोषणा की कि मदुरै एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय दर्जा दे दिया गया है, जिससे दक्षिण तमिलनाडु को वैश्विक शहरों से सीधी उड़ानों के माध्यम से जोड़ा जा सकेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद केंद्र सरकार ने तमिलनाडु को केवल कर हिस्सेदारी के माध्यम से ही लगभग तीन लाख करोड़ रुपये दिए हैं, जो पहले की कांग्रेस-डीएमके सरकार के समय से कई गुना अधिक है। पिछले दशक में राज्य में बुनियादी ढांचे के लिए मिलने वाली राशि तीन गुना बढ़ी है और राष्ट्रीय राजमार्गों पर लगभग 57 हजार करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। डीएमके सरकार पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि पार्टी में सब कुछ एक ही परिवार के इर्द-गिर्द घूमता है। डीएमके 'वैज्ञानिक भ्रष्टाचार मॉडल' के लिए कुख्यात है और आज उसी मॉडल के जरिए तमिलनाडु को एक परिवार के लिए एटीएम बनाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि तिरुचिरापल्ली जिले से जुड़े एक मंत्री बड़े 'नौकरी के बदले पैसे' घोटाले में शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि कावेरी डेल्टा के किसान तमिलनाडु की खाद्य सुरक्षा की रीढ़ हैं और उन्हें उचित कीमत, बेहतर सुविधाएं और आधुनिक भंडारण ढांचा मिलना चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि डीएमके ने अनाज गोदाम बनाने का वादा किया था, लेकिन आज किसान उन गोदामों को खोज रहे हैं जो कहीं दिखाई नहीं देते। इसी तरह धान के न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाने का वादा भी पूरा नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि अवैध बालू खनन नदियों और पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहा है लेकिन इसके लिए जिम्मेदार लोगों को डीएमके सरकार का संरक्षण मिल रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष का असर वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति शृंखला पर पड़ा है। ऐसे समय में भारत सरकार 'इंडिया फर्स्ट' की नीति पर काम कर रही है। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें और केवल सही व प्रमाणित जानकारी ही साझा करें।

प्रधानमंत्री ने कोच्चि में 11 हजार करोड़ की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण किया

कोच्चि। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कोच्चि में लगभग 11 हजार करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करते हुए कहा कि आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया के लक्ष्य को हासिल करने के लिए पेट्रोलियम सेक्टर का विस्तार बेहद जरूरी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोच्चि रिफाइनरी में पॉलीप्रोपाइलीन यूनिट की स्थापना इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस यूनिट से हर वर्ष करीब चार लाख टन पॉलीप्रोपाइलीन का उत्पादन होगा, जो पैकेजिंग, टेक्सटाइल, ऑटोमोबाइल, मेडिकल डिवाइस सहित अनेक उद्योगों को समर्थन देगा। उन्होंने कहा कि भारत तेजी से मैन्युफैक्चरिंग का बड़ा हब बन रहा है और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तथा सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में भी देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। इन क्षेत्रों में ऊर्जा की बढ़ती मांग को देखते हुए अधिक से अधिक ग्रीन और क्लीन एनर्जी पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत सोलर पावर के क्षेत्र में दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल हो चुका है। प्रधानमंत्री ने बताया कि इसी दिशा में केरल में सोलर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए वेस्ट कल्लाडा में 50 मेगावाट के फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट की आधारशिला रखी गई है। उन्होंने कहा कि राज्य में बड़ी संख्या में जलाशय होने के कारण फ्लोटिंग सोलर पावर के क्षेत्र में काफी संभावनाएं मौजूद हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आधुनिक बुनियादी ढांचे पर हो रहे निवेश के लिए आज पूरी दुनिया भारत की सराहना कर रही है। इस वर्ष केंद्र सरकार के बजट में भी इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए रिकॉर्ड राशि का प्रावधान किया गया है, जिसका लाभ केरल को भी मिल रहा है। उन्होंने बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत शोरनूर जंक्शन, कुट्टिपुरम और चंगनासेरी रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण किया गया है। इसके साथ ही शोरनूर-नीलांबुर रेल लाइन के एक बड़े हिस्से का विद्युतीकरण भी पूरा किया गया है। इसके अलावा पालक्कड़-पोल्लाची ट्रेन सेवा की भी शुरुआत की गई है, जिससे केरल और तमिलनाडु के लोगों को बेहतर सुविधा मिलेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्य में कई महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं की भी शुरुआत हुई है। छह लेन सड़क बनने से अझिक्कल पोर्ट की कनेक्टिविटी बेहतर होगी, जबकि कोझिकोड बाईपास के छह लेन होने से शहर में जाम की समस्या कम होगी और यात्रा समय भी घटेगा।

अब सिर्फ जवाबी कार्रवाई नहीं, अमेरिका-इजराइल पर लगातार होगा हमला : ईरान

तेहरान/बेरूत। पश्चिम एशिया में 12 दिनों से जारी सैन्य संघर्ष के बीच ईरान ने चेतावनी दी है कि अब वह केवल जवाबी कार्रवाई तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि अमेरिका, इजराइल और उनके सहयोगियों के खिलाफ लगातार हमले करेगा। इस कारण वैश्विक तेल बाजार पर बड़ा असर पड़ सकता है और तेल की कीमतें 200 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं।

ईरान ने मध्य पूर्व में मौजूद अमेरिकी और इजराइली बैंकों के साथ-साथ कई अमेरिकी टेक कंपनियां को भी निशाना बनाने की बात कही है। लेबनान की लेबनानी ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन इंटरनेशनल (एलबीसीआई) और ईरान की स्थानीय समाचार एजेंसी ने ईरान की राजधानी तेहरान स्थित खातम अल-अनबिया सैन्य कमांन मुख्यालय के प्रवक्ता इब्राहिम ज़ोल्फ़कारी ने बुधवार को कहा कि हालिया हमलों के बाद ईरान अब केवल 'जवाबी कार्रवाई' तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि अपने दुश्मनों के खिलाफ लगातार हमले करेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अमेरिका तेल की कीमतों को नियंत्रित नहीं कर पाएगा और वैश्विक बाजार में तेल की कीमतें 200 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं। प्रवक्ता इब्राहिम ज़ोल्फ़कारी ने कहा कि हम अमेरिका, इजराइल और उनके सहयोगियों तक तेल की एक भी बूंद नहीं पहुंचने देंगे। उनसे जुड़े किसी भी जहाज़ या टैंकर को वैध टारगेट माना जाएगा। क्षेत्रीय सुरक्षा को अस्थिर करने के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार प्रभावित होगा। तेल का बैरल 200 डॉलर पर पहुंचने के लिए तैयार हो जाइए, क्योंकि तेल की कीमत उस क्षेत्रीय सुरक्षा पर निर्भर करती है जिसे आपने अस्थिर कर दिया है। दूसरी ओर ईरान की सरकारी मीडिया के अनुसार मध्य पूर्व में अमेरिकी और इजराइली बैंकों के साथ-साथ कई अमेरिकी टेक कंपनियां भी संभावित निशाने पर हो सकती हैं।

रिपोर्ट्र्स में दावा किया गया है कि गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, पैलंटिर, आईबीएम, एनवीडिया और ओरेकल जैसी कंपनियों के दफ्तर और एसेट्स को टारगेट किया जा सकता है। इन कंपनियों की क्षेत्रीय मौजूदगी इजराइल के अलावा खाड़ी के प्रमुख शहरों दुबई और अबू धाबी में भी बताई जाती है। वहीं, ईरान समर्थक आउटलेट्स ने उन स्थानों की सूची जारी करने का दावा किया है जहां इन कंपनियों के कार्यालय या अन्य संसाधन मौजूद हैं। रिपोर्ट्र्स के मुताबिक इस सूची में मध्य पूर्व में काम कर रही बड़ी अमेरिकी टेक कंपनियों के कई ऑफिस और आधारभूत संरचना शामिल हैं।

लोस अध्यक्ष बिरला को हटाने का विपक्ष का प्रस्ताव खारिज

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष का उन्हें पद से हटाए जाने का प्रस्ताव बुधवार को ध्वनि मत से खारिज कर दिया गया। गृहमंत्री अमित शाह के वक्तव्य के बाद विपक्ष के हंगामे के बीच प्रस्ताव पर मत विभाजन हुआ। प्रस्ताव कांग्रेस के सदस्य मोहम्मद जावेद ने पेश किया था। इस दौरान अध्यक्षीय चेयर पर पीठासीन अधिकारी जगदंबिका पाल मौजूद थे। लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ प्रस्ताव खारिज होने के बाद कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। गृहमंत्री अमित शाह के वक्तव्य के दौरान ही विपक्षी सदस्य सदन के बीचोंबीच आकर हंगामा करने लगे।

तरनजीत सिंह संधू ने दिल्ली के उपराज्यपाल के रूप में ली शपथ

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल के रूप में पूर्व राजनयिक तरनजीत सिंह संधू ने बुधवार को शपथ ली। दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय ने तरनजीत सिंह संधू को लोक निवास में आयोजित समारोह में दिल्ली के 23वें उपराज्यपाल के तौर पर शपथ दिलाई। इस समारोह में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी मौजूद रही।

तरनजीत सिंह संधू ने विनय कुमार सक्सेना का स्थान लिया। विनय कुमार सक्सेना को लद्दाख उपराज्यपाल नियुक्त किया गया है। शपथ लेने से पहले आज तरनजीत सिंह संधू ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से उनके आवास पर मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच लोक सेवा एवं शासन से संबंधित विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति ने पांच मार्च वरिष्ठ राजनयिक तरनजीत सिंह संधू को दिल्ली का उपराज्यपाल नियुक्त किया था। वे श्रीलंका में भारत के उच्चायुक्त और अमेरिका में भारत के 28वें राजदूत रह चुके हैं।

मणिपुर में आठ उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर के अलग-अलग इलाकों में सुरक्षा बलों द्वारा बीते 24 घंटों के दौरान चलाए गये अभियानों में विभिन्न उग्रवादी संगठनों से जुड़े कुल 8 उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार उग्रवादियों में कांगलीपाक पीपुल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी-प्रगतिशील (प्रीपाक-प्रो), कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (केसीपी), पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) संगठनों से जुड़े हुए हैं। मणिपुर पुलिस मुख्यालय द्वारा राज्य में उग्रवादियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियानों से संबंधित बुधवार को जानकारी दी गयी।

केन्द्र सरकार ने दिया टेलीग्राम को नोटिस

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मैसेजिंग प्लेटफॉर्म टेलीग्राम को नोटिस जारी कर उन चैनलों को हटाने का निर्देश दिया है, जिन पर बिना अनुमति के फिल्मों, वेब सीरीज और ओटीटी प्लेटफॉर्म का कंटेंट साझा किया जा रहा है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने जारी नोटिस में कहा है कि ऐसे चैनलों पर कॉपीराइट वाले कंटेंट को अवैध रूप से अपलोड और वितरित किया जा रहा है, जो कॉपीराइट एक्ट 1957 का उल्लंघन है।

छत्तीसगढ़ में 108 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

जगदलपुर। बस्तर संभाग मुख्यालय जगदलपुर स्थित लालबाग पुलिस ऑडिटोरियम के शौर्य भवन में बुधवार को 'पूना मारगेम- पुनर्वास से पुनर्जीवन' पहल के अंतर्गत आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस दौरान दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी से जुड़े कुल 108 माओवादी कैडरों ने हिंसा का मार्ग त्याग कर समाज की मुख्यधारा में शामिल होने का निर्णय लिया। माओवादियों ने नागरिकों, परिजनों, पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (नक्स. अभि) विवेकानंद, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (बीएसएफ) सिवांग नामग्याल, पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज सुन्दरराज पी, पुलिस महानिरीक्षक सीआरपीएफ शालीन, पुलिस महानिरीक्षक छसबल बीएस. ध्रुव, बस्तर संभाग के सभी सात जिलों के पुलिस अधीक्षकगण, केंद्रीय सुरक्षाबलों तथा जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारीगण की उपस्थिति में आत्मसमर्पण किया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले कैडरों में माओवादी संगठन के विभिन्न स्तरों के पदाधिकारी शामिल रहे। इनमें 5 डिवीजनल कमेटी सदस्य, 2 जोनल स्तर के पीएलजीए कंपनी के प्रमुख पदाधिकारी, 15 प्लाटून पार्टी कमेटी के सदस्य, 21 एरिया कमेटी सदस्य तथा 63 पार्टी सदस्य शामिल हैं। इन सभी पर मिलाकर लगभग 3.29 करोड़ रुपये की इनाम राशि घोषित थी। आत्मसमर्पण करने वाले कैडरों से प्राप्त सूचनाओं एवं अन्य खुफिया जानकारियों के आधार पर सुरक्षा बलों ने विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई करते हुए विभिन्न हथियार बरामद किए हैं। इनमें छह एके-47 राइफल, एक एके-47 टीएआर, 10 इंसास राइफल, एक कार्बाइन, पांच एसएलआर राइफल, एक 7.62 मिमी एलएमजी, दो 5.56 मिमी एलएमजी, एक .303 मिमी एलएमजी, बीस .303 राइफल, 12 बोर की 25 रायफलें, 11 बीजीएल लांचर, एक 51 मिमी मोर्टार, तीन .315 बोर राइफल, मजल लोडिंग राइफल, 13 भरमार शामिल हैं। इस प्रकार विभिन्न स्थानों से कुल 101 हथियार बरामद किए गए हैं।

नोएडा: एमबीए की छात्रा ने 13वीं मंजिल से कूदकर की आत्महत्या

17 वर्षीय किशोर तीसरी मंजिल से संदिग्ध परिस्थितियों में गिरा, मौत

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोयडा में थाना सेक्टर 142 क्षेत्र के ग्राम शाहदरा में रहने वाला एक 17 वर्षीय किशोर तीसरी मंजिल से बीती रात को संदिग्ध परिस्थितियों में नीचे गिर गया। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उसकी मौत हो गई। थाना सेक्टर- 142 के प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि परितोष विश्वास पुत्र दिलीप विश्वास उम्र 17 वर्ष गांव शाहदरा में रहते थे। वह मूल रूप से जनपद मालदा पश्चिम बंगाल के रहने वाले थे। बीती रात को वह अपने मकान की तीसरी मंजिल पर दोस्तों के साथ बैठे थे, तभी संदिग्ध परिस्थितियों में नीचे गिर गए। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक अपने दोस्तों के साथ बैठकर तीसरी मंजिल पर खा- पी रहा था, तभी यह घटना हुई है। उन्होंने बताया कि अगर किशोर के परिजन इस मामले में किसी के खिलाफ कोई शिकायत करते हैं तो पुलिस घटना की रिपोर्ट दर्ज कर जांच करेगी। थाना सेक्टर 58 के प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार ने बताया कि बृजेश सिंह पुत्र शिवनाथ सिंह उम्र 36 वर्ष सेक्टर 56 के एलआईजी फ्लैट में रहते थे। पीड़ित के अनुसार उनकी बीती रात को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। मौत के कारण का पता लगाने के लिए पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

नोएडा। थाना बिसरख क्षेत्र के ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित गौड़ सौन्दर्यम सोसाइटी में मंगलवार की रात को एमबीए की छात्रा ने 13वीं मंजिल में फ्लैट की बालकनी से कूदकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान शिविका ठकराल (25) के रूप में हुई है।

सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची थाना बिसरख पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक कृष्ण गोपाल शर्मा ने बताया कि विनय ठकराल परिवार के साथ शेरोन टावर गौर सौन्दर्यम सोसाइटी में रहते हैं। उनकी पुत्री मोहाली से एमबीए की पढ़ाई कर रही थी। साथ ही मोहाली में नौकरी भी करती थी। वह होली की छुट्टी पर घर आई थी।

मंगलवार की रात सभी लोग खाना खाकर अपने अपने कमरे में सो गए थे। उन्हें गार्डों के माध्यम से जानकारी मिली कि उनकी पुत्री शिविका ठकराल ने तेरहवीं मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली है। घटना की जानकारी मिलते ही सोसाइटी में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस को घटना स्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस के मुताबिक प्रारंभिक जांच में यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। मामले में परिजन की ओर से कोई शिकायत नहीं दी गई। परिजन आत्महत्या का कारण भी नहीं बता सके हैं। पुलिस ने परिजन और पड़ोसियों से आवश्यक जानकारी जुटाई है। साथ ही सोसाइटी में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली गई है। घटना के समय की स्थिति स्पष्ट हो सके।

नोएडा लोक मंच ने किया एसएल फाउंडेशन के चेयरपर्सन का संस्कार अध्ययन केंद्र में स्वागत

नोएडा। नोएडा के ग्राम गढ़ी चौखंडी सेक्टर-68 में नोएडा लोक मंच द्वारा संचालित संस्कार अध्ययन केंद्र में एसएल फाउंडेशन के चेयरपर्सन रेवा नैय्यर (सेवानिवृत्त आईएएस) के सम्मान में एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय संस्कृति की परंपरा के अनुरूप गणेश वंदना व राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम् से किया गया।

इसके बाद विद्यार्थियों ने विभिन्न रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिनमें नृत्य, नाटक और कविता पाठ शामिल थे। इस अवसर पर नोएडा लोक मंच के महासचिव महेश सक्सेना ने रेवा नैय्यर को स्मृति-चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत किया। इस दौरान उनके साथ कोषाध्यक्ष विभा बंसल, आरएन श्रीवास्तव तथा अन्य लोग उपस्थित रहे।

वहीं शिक्षा समिति की लीका सक्सेना ने रेवा नैय्यर का स्वागत करते हुए उन्हें माला पहनाकर सम्मानित किया तथा बच्चों द्वारा बनाई गई सुंदर पेंटिंग भेंट की। इस मौके पर रेवा नैय्यर ने कहा कि वे नोएडा लोक मंच को छोड़कर कहीं नहीं जा रही हैं और हमेशा इस परिवार के साथ जुड़ी रहेंगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि आवश्यकता पड़ने पर वे हर समय सहयोग के लिए उपलब्ध रहेंगी। इस कार्यक्रम में नोएडा लोक मंच के महासचिव महेश सक्सेना, कोषाध्यक्ष विभा बंसल, आरएन श्रीवास्तव, प्रदीप वोहरा, आशु सक्सेना, राजेश्वरी त्यागराजन, इंद्रा चौधरी, सुनीता खटाना, लाल सिंह, इनर व्हील की अध्यक्ष, लीका सक्सेना, मुक्ता गुप्ता, मीना शर्मा, अनीता सक्सेना, लक्ष्मी नेगी, लुबना सहित अन्य उपस्थित रहे।

एमिटी यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले एमबीए के छात्र के साथ मारपीट

नोएडा। थाना सेक्टर -126 में एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसका बेटा एक यूनिवर्सिटी में पढता है। पीड़ित के अनुसार इस यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले चार छात्रों ने उसकी बेटा के साथ जमकर मारपीट की। वह गंभीर रूप से घायल हो गया है। थाना सेक्टर 126 के प्रभारी सोमेश कुमार ने बताया कि हरीश शर्मा पुत्र सरदार सिंह ने बीती रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि मेरा बेटा शौम्य शर्मा एमिटी यूनिवर्सिटी से एमबीए प्रथम वर्ष में पढ़ाई कर रहा है। पीड़ित के अनुसार एमिटी यूनिवर्सिटी में आयोजित एक कार्यक्रम में वह भाग लेने के लिए गया था। वहां मौजूद लड़कों से उसकी बहस हो गई। उसके बेटे के दोस्त आर्यन मोगा के कहने पर वह उन लड़कों से बातचीत करने गया तो उन लड़कों ने उसके ऊपर हमला कर दिया, तथा मारपीट करके गंभीर रूप से घायल कर दिया। उन्होंने बताया कि मामले में छात्र के पिता की शिकायत पर प्रीत मान, विशांक खत्री, प्रियांशु मान तथा तरुण वशिष्ट के खिलाफ मारपीट सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट की रॉयल नेस्ट सोसाइटी में छत का प्लास्टर गिरा, युवक बाल-बाल बचा

नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की ऊंची इमारतों में रहने वाले लोगों की सुरक्षा एक बार फिर सवालों के घेरे में है। यहां की रॉयल नेस्ट सोसाइटी के एक फ्लैट में अचानक छत का प्लास्टर गिरने से हड़कंप मच गया। घटना के समय एक युवक उसी कमरे में बैठकर काम कर रहा था। जिसकी जान बाल-बाल बच गई। वहीं उसका मोबाइल फोन और लैपटॉप चकनाचूर हो गया।

इस घटना की एक वीडियो सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर वायरल हो रही है जानकारी के अनुसार ग्रेटर नोएडा वेस्ट में रॉयल नेस्ट सोसाइटी के एक फ्लैट में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब कमरे की छत के प्लास्टर का एक बड़ा हिस्सा अचानक भरभरा कर नीचे गिर पड़ा। हादसा इतना भयानक था कि जिस जगह प्लास्टर गिरा, वहां पर एक युवक बैठकर अपने ऑफिस का काम कर रहा था। गनीमत रही कि मलबे की चपेट में आने से युवक बच गया, लेकिन उसकी मेज पर रखा लैपटॉप और मोबाइल फोन पूरी तरह चकनाचूर हो गए। हादसे के तुरंत बाद पीड़ित युवक ने घटना का वीडियो बनाकर अपनी आपबीती सोशल मीडिया के माध्यम से सुनाई। अब वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि किस तरह छत का एक बड़ा हिस्सा गिरकर कमरे में फैला हुआ है।

दो महिलाओं समेत तीन ने की आत्महत्या

नोएडा। नोएडा के विभिन्न जगहों पर रहने वाली दो महिलाओं समेत तीन लोगों ने आत्महत्या कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना दादरी के प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि ममता पत्नी योगराज निवासी ग्राम बढपुरा गांव उम्र (38 वर्ष) ने बीती रात को अपने घर पर मानसिक तनाव के चलते पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे उप निरीक्षक मोहित कुमार ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक कृष्ण गोपाल शर्मा ने बताया कि थाना क्षेत्र में रहने वाले मयंक पांडे पुत्र पुरंदर पांडे उम्र 32 वर्ष ने मानसिक तनाव के चलते बीती रात को अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना बीटा-दो के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि श्रीमती रानी देवी उम्र 45 वर्ष ने मानसिक तनाव के चलते अपने घर पर बीती रात को सल्फास की गोलियां खा ली। उन्हें उपचार के लिए ग्रेटर नोएडा के एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर दौराने उपचार उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि थाना बीटा- दो पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतका जनपद अलीगढ़ की रहने वाली थी।

संक्षिप्त खबरें

दसवीं की परीक्षा देकर घर लौट रहे छात्र के साथ मारपीट

नोएडा। दसवीं की परीक्षा देकर घर लौट रहे एक छात्र के साथ चार लोगों ने मारपीट की। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना रबूपुरा के प्रभारी श्याम बाबू शुक्ल ने बताया कि मुकेश पुत्र बाबू सिंह ने बीती रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह ग्राम फलैदा के रहने वाले हैं। पीड़ित के अनुसार 10 मार्च की शाम को उनका बेटा श्याम आकलपुर गांव से कक्षा दसवीं का पेपर देकर लौट रहा था, तभी यमुना एक्सप्रेसवे के पुल के नीचे पहले से ही घात लगाए बैठे सनी उर्फ छोटू तथा तीन अज्ञात लोगों ने उसे घेर लिया। इन लोगों ने उसके साथ लाठी डंडे और लोहे की राड से मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

तंबाकू से दूर रहने की शपथ दिलाई

ग्रेटर नोएडा। जिम्स के दंत चिकित्सा विभाग की ओर से बुधवार को धूम्रपान निषेध दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम और शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान चिकित्सकों, मरीजों और उनके तीमारदारों ने धूम्रपान और तंबाकू से दूर रहने का संकल्प लिया। जिम्स के निदेशक ब्रिगेडियर डॉ. राकेश कुमार गुप्ता ने बताया कि समारोह के दौरान लोगों को धूम्रपान और तंबाकू के हानिकारक प्रभाव बताए।

गोशालाओं का निरीक्षण आज

ग्रेटर नोएडा। पशुपालन विभाग के मेरठ मंडल के अपर निदेशक बृहस्पतिवार को दादरी क्षेत्र की गोशाला का निरीक्षण करेंगी। इस दौरान विभाग के अधिकारियों के साथ विकास भवन में बैठक भी होगी। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी अरुण कुमार ने बताया कि निरीक्षण के दौरान गोशालाओं के रखरखाव, चारा, टीकाकरण, व्यवस्थाओं से संबंधी मौके की हालत पर रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

रुपयों के लेनदेन में युवक पर ईंट से हमला, घायल

दनकौर। मिलक गांव में रुपये के लेनदेन में हुए विवाद में एक युवक को ईंट मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल का ग्रेटर नोएडा के एक अस्पताल में उपचार चल रहा है। गांव निवासी जावेद ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि पड़ोस में रहने वाले एक व्यक्ति पर उसके 1500 रुपये उधार थे। मंगलवार की रात वह अपने रुपये मांगने के लिए आरोपी के घर गया था। घर पहुंचने पर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। आरोप है कि कहासुनी के दौरान आरोपी ने जाहिद के सिर पर ईंट से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

खेत में मजदूरी करने गई महिला की अस्मत लूटने का प्रयास, विरोध करने पर मारपीट

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोयडा में खेत में मजदूरी करने गई महिला की खेत के मालिक ने अस्मत लूटने का प्रयास किया। जब महिला ने विरोध किया तो उसने गाली गलौज कर मारपीट की, तथा उसके घर में भी घुस गया और अश्लील हरकत की। थाना से जेवर के प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह ने बताया कि बीती रात को एक महिला ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह मोहल्ला खटीक कस्बा जेवर में रहती है। पीड़िता के अनुसार वह नरेंद्र शर्मा पुत्र शंकर लाल शर्मा निवासी दाऊजी मंदिर कस्बा जेवर के खेतों पर मजदूरी करने के लिए गई थी। महिला के अनुसार जब वह खेत पर काम कर रही थी तभी वहां पर नरेंद्र शर्मा आया। उसने उसके साथ खींचतान कर अश्लील हरकत करनी शुरू कर दी। जब उसने विरोध किया तो उसने गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता का यह भी आरोप है कि आरोपी दोबारा से उसके घर पर आया तथा उसने उसके साथ अश्लील हरकत की। थाना प्रभारी ने बताया कि महिला की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

हत्या के प्रयास में वांछित 50 हजार रुपए के इनामी को एसटीएफ ने किया गिरफ्तार

नोएडा। उत्तर प्रदेश विशेष कार्य बल (एसटीएफ) की नोएडा यूनिट ने 50 हजार रुपए के एक इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। यह जनपद अलीगढ़ से वांछित था। अपर पुलिस अधीक्षक एसटीएफ (नोएडा यूनिट) राजकुमार मिश्रा ने बताया कि खुर्जा के निर्माणाधीन एक स्कूल के पास से बीती रात को पुलिस ने अमित शर्मा उर्फ गोल्डी निवासी नौरंगाबाद जनपद अलीगढ़ को गिरफ्तार किया है। इसकी गिरफ्तारी पर जनपद अलीगढ़ से 50 हजार रुपए का इनाम घोषित था। पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला कि उसने वर्ष 2003 में अपने साथी सुनील के साथ मिलकर रेलवे अधिकारी से अलीगढ़ के थाना दिल्ली गेट क्षेत्र में लूट की घटना को कारित किया था। आरोपी ने इस मामले में जेल से छूटने के बाद नकली करेंसी बनाने का काम शुरू कर दिया। जनपद अलीगढ़ पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया। वर्ष 2019 में आरोपी ने अपने पांच साथियों के साथ मिलकर लूटपाट किया, जिसमें यह गिरफ्तार हुआ। आरोपी ने वर्ष 2019 में एक व्यक्ति के ऊपर जानलेवा हमला किया, जिसमें वांछित था, तथा इसकी गिरफ्तारी पर जनपद अलीगढ़ पुलिस द्वारा 50,000 का इनाम घोषित किया गया था। उन्होंने बताया कि इसके खिलाफ लूटपाट, हत्या के प्रयास नकली करेंसी बनाने सहित विभिन्न धाराओं में पूर्व में कई मुकदमे दर्ज हैं।

जनता की समस्याओं का समाधान करना ही सुशासन का मूल आधार : रेखा गुप्ता

सीएम ने समस्याओं के जल्द समाधान करने के अधिकारियों को दिए निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को मुख्यमंत्री जनसेवा सदन में आयोजित जनसुनवाई में दिल्ली के लोगों से सीधे संवाद करते हुए उनकी समस्याओं के जल्द समाधान करने के अधिकारियों को निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट में कहा कि जनता की बात सुनना और समाधान देना सुशासन का मूल आधार है। यही दिल्ली की नई कार्यसंस्कृति है। अब नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए लंबी कतारों में खड़ा नहीं होना पड़ेगा। सीएम जनसुनवाई पोर्टल के माध्यम से लोग ऑनलाइन शिकायत दर्ज कर सकते हैं और उसकी प्रगति को रियल-टाइम में देख सकते हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि राजधानी में 75 से अधिक सेवाएं अब सामान्य सेवा केंद्रों (सीएससी) के माध्यम से उपलब्ध हैं, ताकि नागरिकों को अपने काम के लिए दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें और उन्हें अपने ही क्षेत्र में समाधान मिल सके। सेवा, पारदर्शिता और जनभागीदारी के संकल्प के साथ दिल्ली में सुशासन की व्यवस्था निरंतर मजबूत हो रही है।

गुब्बारा फेंकने के विवाद में युवक की हत्या के बाद तनाव

पीड़ित परिवार ने 40 लोगों के शामिल होने का किया दावा

नई दिल्ली। द्वारका जिले के उत्तम नगर इलाके में होली के दौरान गुब्बारा फेंकने के मामूली विवाद में युवक तरुण की बेरहमी से हत्या के बाद से इलाके में तनाव बना हुआ है। पुलिस ने इस मामले में अब तक दो नाबालिग और तीन महिलाओं समेत कुल 16 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच अभी जारी है और अन्य संदिग्धों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

उधर, पीड़ित परिवार का दावा है कि वारदात में केवल 16 नहीं बल्कि करीब 40 लोग शामिल थे। परिवार ने बाकी आरोपियों की एक सूची भी पुलिस को सौंपी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार इस सूची में शामिल लोगों की भूमिका की जांच की जा रही है और घटना के समय उनकी मौजूदगी तथा गतिविधियों की पड़ताल की जा रही है।

द्वारका जिले के पुलिस उपायुक्त कुशल पाल सिंह ने बताया कि तरुण हत्याकांड में अब तक सभी मुख्य 16 आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है। बाकी लोगों के बारे में भी जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि यदि जांच में कोई और व्यक्ति घटना में शामिल पाया जाता है, तो उसे भी किसी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

इधर, घटना के बाद इलाके में लगातार गतिविधियों के चलते तनाव का माहौल बना हुआ है। स्थिति को देखते हुए पूरे इलाके में स्थानीय पुलिस के साथ-साथ अर्द्धसैनिक बलों की कई कंपनियां तैनात की गई हैं। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौके पर लगातार निगरानी बनाए हुए हैं। वहीं, पीड़ित परिवार से मिलने के लिए भी लगातार लोग पहुंच रहे हैं।

मंगलवार को पीड़ित परिवार हरिद्वार गया, जहां तरुण की अस्थियों का विसर्जन किया गया। इस दौरान परिवार के कई सदस्य मौजूद रहे। परिवार ने पुलिस से मांग की है कि वारदात में शामिल बाकी आरोपितों को भी जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए। परिवार का दावा है कि आरोपित परिवार के सात से आठ रिश्तेदारों के घर उसी गली में हैं और घटना वाली रात सभी लोग एकत्रित हो गए थे।

तरुण हत्याकांड में पुलिस की कार्रवाई के बाद आरोपित परिवार की एक महिला का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। वीडियो में महिला अपने परिवार के एक नाबालिग लड़के के लापता होने का दावा कर रही है। इस वीडियो को सोशल मीडिया पर टैग कर कई लोग पुलिस से नाबालिग के बारे में सवाल कर रहे हैं। इसपर द्वारका जिला पुलिस उपायुक्त कुशल पाल सिंह ने स्पष्ट किया कि नाबालिग के लापता होने की बात पूरी तरह गलत है। उन्होंने बताया कि संबंधित नाबालिग तरुण हत्याकांड का मुख्य आरोपित है। उसे पहले ही पकड़कर जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के समक्ष पेश किया गया था, जहां से उसे ऑब्जर्वेशन होम भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और अफवाह फैलाने वालों पर भी नजर रखी जा रही है।

चिराग दिल्ली मेट्रो स्टेशन के पास घर में लगी आग, पूर्व पार्षद समेत दो झुलसे

नई दिल्ली। दिल्ली के चिराग दिल्ली इलाके में बुधवार सुबह एक मकान में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। इस हादसे में घर के मालिक और एक मासूम बच्चा झुलस गए। सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल टीम और एंबुलेंस मौके पर पहुंच गईं और समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। स्थानीय पुलिस के अनुसार बुधवार सुबह करीब 5:44 बजे चिराग दिल्ली स्थित हनुमान रोड पर मकान नंबर 582 में आग लगने की सूचना मिली। दमकल विभाग की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और राहत व बचाव कार्य शुरू किया। यह आग मकान की ऊपरी मंजिल पर घरेलू सामान में लगी थी। इमारत बेसमेंट सहित चार मंजिला है और पांचवीं मंजिल आंशिक रूप से निर्माणाधीन है। आग इतनी तेजी से फैली कि पूरा फ्लोर इसकी चपेट में आ गया। इस दौरान घर के मालिक, भाजपा के नेता एवं पूर्व पार्षद राकेश गुलिया (55) झुलस गए। वहीं घर में मौजूद तीन साल का बच्चा क्यवांश भी आग की चपेट में आने से हल्का झुलस गया। दोनों को तुरंत इलाज के लिए एम्स ट्रामा भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने राकेश गुलिया की हालत खतरे से बाहर बताई है। दमकल अधिकारियों के मुताबिक आग पर करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद पूरी तरह काबू पा लिया गया। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने भी लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने में मदद की। प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। पुलिस और दमकल विभाग मामले की विस्तृत जांच कर रहे हैं।

उत्तम नगर हिंसा में शामिल आरोपियों के घरों में तोड़फोड़ पर हाई कोर्ट की रोक

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली नगर निगम को उत्तम नगर हत्याकांड में शामिल आरोपितों के घरों में तोड़फोड़ नहीं करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को याचिका वापस लेने की अनुमति देते हुए एक सप्ताह के अंदर बेहतर याचिका दायर करने का निर्देश दिया।

सुनवाई के दौरान बुधवार को दिल्ली नगर निगम ने कहा कि याचिकाकर्ताओं के घर सार्वजनिक गली का अतिक्रमण कर बनाए गए हैं। इसे गिराने के लिए कोई नोटिस देने की जरुरत नहीं है। ऐसा उच्चतम न्यायालय भी कह चुका है। दिल्ली नगर निगम के वकील संजय पोद्दार ने कहा कि याचिकाकर्ता इस बात का हलफनामा दें कि उनका घर सार्वजनिक गली की भूमि पर नहीं है।

सुनवाई के दौरान एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) चेतन शर्मा ने कहा कि याचिका भ्रमपूर्ण है। याचिकाकर्ताओं को दिल्ली नगर निगम के गिराने की कार्रवाई पर सीमित

रहना चाहिए और हत्या के मामले में पुलिस की कार्रवाई से नहीं। तब कोर्ट ने कहा कि हम वो कार्रवाई करेंगे और उन्हें बेहतर याचिका दायर करने को कहेंगे। उच्च न्यायालय ने 10 मार्च को दिल्ली नगर निगम के अधिकारियों को बुलडोजर कार्रवाई जैसी कोई भी कार्रवाई करने से रोकने का निर्देश दिया था। दरअसल, 4 मार्च को होली के दौरान तरुण भुटौलिया नामक 26 वर्षीय युवक की हत्या कर दी गई थी, जिसके बाद इस मामले के एक आरोपी के घर के अवैध हिस्से को नगर निगम ने गिरा दिया था। इस मामले में आरोपित मुस्लिम समुदाय का है जिसकी वजह से इसे सांप्रदायिक रंग दिया गया था। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने सोहैल और अयान से पूछताछ की थी। उच्च न्यायालय में याचिका सोहैल और अयान की मां शहनाज ने दायर की थी। याचिका दायर करने वालों में इस मामले के एक आरोपित इमरान ऊर्फ बंटी की मां जरीना भी शामिल है। याचिका में कहा गया था कि दिल्ली नगर निगम ने एफआईआर दर्ज होते ही मनमाने तरीके से मकान को गिराने की कार्रवाई की है।

याचिकाकर्ताओं ने कहा था कि उनका घर भी गिराया जा सकता है, क्योंकि उन्हें भी इस मामले में फंसाया गया है। याचिका में कहा गया था कि दिल्ली नगर निगम की कार्रवाई नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत और संविधान के अनुच्छेद 14, 21 और 300ए का उल्लंघन है।

LPG संकट से एक करोड़ से ज्यादा लोगों के बेरोजगार होने का खतराः केजरीवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को दावा किया कि देश में रसोई गैस सिलेंडर की किल्लत होने से एक करोड़ से ज्यादा लोगों के बेरोजगार होने का खतरा है। केजरीवाल ने आआपा मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि देश में एलपीजी की दैनिक उपलब्धता लगभग 50 प्रतिशत तक कम हो गई है, जिसका सीधा असर होटल, रेस्टोरेंट और उद्योगों पर पड़ रहा है।

भारत में एलपीजी की कुल खपत का करीब 60 फीसद हिस्सा आयात के जरिए पूरा किया जाता है और इस आयात का लगभग 90 फीसद हिस्सा स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज के रास्ते आता है। मौजूदा अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण इस मार्ग से भारत को आने वाली आपूर्ति लगभग बंद हो गई है। इसके कारण एक करोड़ से ज्यादा लोगों के बेरोजगार होने का खतरा है। केजरीवाल ने कहा कि देशभर में शैक्षणिक संस्थानों और अस्पतालों को छोड़कर, बाकी सभी कमर्शियल संस्थानों को एलपीजी गैस की सप्लाई बंद कर दी गई है। केवल घरेलू उपयोग के लिए गैस दी जाएगी। इससे देश के सभी हिस्सों में एलपीजी गैस की किल्लत हो गई है। केजरीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को युद्ध शुरू होने के एक दिन पहले इजराइल जाने की क्या जरूरत थी? ऐसा करके उन्होंने पूरे देश को संकट में डाल दिया है।

खजूरी खास में आठ महीने के बच्चे का अपहरण का मामला सुलझा, पुलिस ने दंपती को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के खजूरी खास इलाके में आठ महीने के बच्चे के अपहरण का मामला पुलिस ने सुलझा लिया है। खजूरी खास थाने की पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बच्चे को सुरक्षित बरामद कर लिया और इस मामले में एक दंपती को गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को बताया कि नौ मार्च को खजूरी खास थाने में एक महिला ने शिकायत दी कि वह खजूरी खास फ्लाईओवर के नीचे रहती है। महिला ने बताया कि शाम करीब 4:30 बजे करीब 35 वर्ष की एक अज्ञात महिला खाने का लालच देकर उसके आठ महीने के बेटे को अपने साथ ले गई और मौके से फरार हो गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए खजूरी खास थाने में एफआईआर नंबर 112/26 धारा 137(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के लिए खजूरी खास थाने के इंस्पेक्टर राकेश यादव के नेतृत्व में एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। टीम में एसआई अभिषेक, एएसआई अमरीश, हेड कांस्टेबल अमित, हेड कांस्टेबल सौदान, कांस्टेबल उत्तम, महिला कांस्टेबल छाया और महिला कांस्टेबल मीना शामिल थे।

जांच के दौरान पुलिस टीम ने विभिन्न स्रोतों से महत्वपूर्ण सुराग जुटाए और तकनीकी एवं स्थानीय जानकारी के आधार पर आरोपितों तक पहुंच बनाई। इसके बाद पुलिस ने रूप नगर इलाके से करीब 30 वर्षीय महिला को पकड़ा और उसके पास से अपहृत आठ महीने के बच्चे को सुरक्षित बरामद कर लिया। पूछताछ के दौरान महिला ने अपहरण की वारदात में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली। महिला की निशानदेही पर उसके पति पवन (31) को भी गिरफ्तार कर लिया गया, जो इस साजिश में शामिल था। पुलिस ने बरामद बच्चे को सुरक्षित उसकी मां को सौंप दिया, जिससे परिवार को बड़ी राहत मिली। फिलहाल पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

ट्रांसजेंडर समुदाय की सुरक्षा और कल्याण पर दिल्ली पुलिस की बैठक, एनजीओ ने रखीं समस्याएं

नई दिल्ली। दिल्ली में ट्रांसजेंडर समुदाय की सुरक्षा, अधिकार और कल्याण से जुड़े मुद्दों पर बुधवार को विशेष पुलिस इकाई महिला एवं बाल सुरक्षा (एसपीयूडब्ल्यूएसी) में एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संयुक्त पुलिस आयुक्त एवं ट्रांसजेंडर प्रोटेक्शन सेल के नोडल अधिकारी नबाम गुंगटे ने की। बैठक में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त डी.के.एस. सिंह, एसपीयूडब्ल्यूएसी पुलिस उपायुक्त अंजिथा चेप्याला सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा ट्रांसजेंडर समुदाय के कल्याण के लिए काम करने वाले कई एनजीओ-नजरिया फाउंडेशन, हमसफर ट्रस्ट, एलायंस इंडिया और ट्वीट फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लिया। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि बैठक के दौरान दिल्ली में रह रहे ट्रांसजेंडर समुदाय की विभिन्न समस्याओं और उनके समाधान पर विस्तार से चर्चा की गई। एनजीओ प्रतिनिधियों ने बताया कि ट्रांसजेंडर समुदाय को पहचान पत्र बनवाने, बैंक खाते खोलने, सरकारी दफ्तरों में भेदभाव और शिक्षा से जुड़ी कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। प्रतिनिधियों ने इस बात पर जोर दिया कि ट्रांसजेंडर समुदाय के विकास के लिए शिक्षा की सुविधा और शैक्षणिक संस्थानों व कार्यस्थलों पर सुरक्षित माहौल बेहद जरूरी है। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि ट्रांसजेंडर समुदाय की शिकायतों के समाधान के लिए पुलिस की ओर से जो भी जरूरी कदम होंगे, उन्हें उठाया जाएगा। साथ ही आने वाले समय में दिल्ली के पुलिस थानों में तैनात पुलिसकर्मियों को ट्रांसजेंडर समुदाय के अधिकारों के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए विशेष ब्रीफिंग और प्रशिक्षण दिया जाएगा।

भारत में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी दंपती गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिम जिला की फॉरनर सेल ने भारत में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी दंपती को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान विकाश उर्फ दिप्तो कुमार पाल (28) और इसकी पत्नी रूमा बेगम (27) के रूप में हुई है। छानबीन के दौरान पुलिस को पता चला है कि दोनों मिलकर अवैध रूप से बांग्लादेशी नागरिकों को घुसपैठ में मदद कर रहे थे। पुलिस ने आरोपितों के पास से दो मोबाइल फोन के अलावा इसमें 'ईमो एप्लीकेशन' इंस्टॉल बरामद किए हैं। इसके अलावा छह अन्य बांग्लादेशी नागरिकों के दस्तावेज भी बरामद किए हैं। जाच के दौरान टीम को पता चला है कि दंपती मोटी रकम लेकर बॉर्डर पार करवाते थे। कुछ माह पूर्व दोनों को देहरादून पुलिस ने बांग्लादेशी डिपोर्ट किया था। दंपती दोबारा अवैध रूप से भारत में दाखिल हो गया। उत्तर-पश्चिम जिले की पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव ने बताया कि जिले की फॉरनर सेल लगातार अवैध रूप से दिल्ली में रह रहे विदेशी नागरिकों की जानकारी जुटा रही है। इसकी कड़ी में कुछ दिनों पूर्व टीम ने तीन बांग्लादेशी महिला नागरिकों को दबोचा था।

विजेंद्र गुप्ता ने दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू को दी बधाई

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने तरनजीत सिंह संधू को दिल्ली के नए उपराज्यपाल के रूप में शपथ लेने पर अपनी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि नए उपराज्यपाल का विशाल राजनयिक अनुभव और सार्वजनिक सेवा के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता निस्संदेह राष्ट्रीय राजधानी के शासन और विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगी। विधानसभा अध्यक्ष ने इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी में संधू की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं व्यक्त करते हुए आशा जताई कि उनका कार्यकाल शहर की जनता की सेवा के लिए समर्पित, प्रतिष्ठित और फलदायी होगा। विधानसभा अध्यक्ष ने बुधवार को लोक निवास में आयोजित आधिकारिक शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होकर उपराज्यपाल को शुभकामनाएं प्रकट की।

संपादकीय

सैन्य हस्तक्षेप पर उठने लगे सवाल

अमेरिका और ईरान के बीच छिड़ी जंग को लगभग एक पखवाड़ा होने को आया है। हमले के तुरंत बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान और किए गए दावों का कोई ठोस नतीजा अभी तक सामने नहीं आया है। अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज ईरान के जिस तरह घुटने टेकने का दावा कर रहे थे, वह भी मौजूदा स्थिति को देखते हुए दूर की बात प्रतीत होती है। अभी जब इस युद्ध की दिशा और दशा अभी तय होना बाकी है, ऐसे में यह सवाल उठने लगे हैं कि क्या अमेरिका के पास युद्ध ही अंतिम विकल्प था? या यह ट्रंप का जल्दबाजी में उठाया कदम था? यह प्रश्न भी अभी अनुत्तरित है कि क्या सैन्य हस्तक्षेप से ईरान में सत्ता परिवर्तन संभव है? इस युद्ध का लक्षित परिणाम निकलता न देख कर डोनाल्ड ट्रंप स्वयं असमंजस में दिखाई दे रहे हैं। वहीं सूत्रों के हवाले से यह भी कहा जा रहा है कि तमाम संशय के बावजूद युद्ध शुरू करने का फैसला ट्रंप का निजी फैसला था। इस फैसले के समर्थन में सूत्रों का कहना है कि हमले से ठीक पहले अमेरिकी खुफिया विभाग का आकलन था कि अमेरिकी सैन्य हस्तक्षेप से इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान में सत्ता परिवर्तन की कोई संभावना नहीं है।अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया परिषद की ताजा रिपोर्ट में कहा गया था कि हमला चाहे सीमित हो अथवा हवाई, या लंबे समय तक चलने वाला सैन्य अभियान, इससे ईरान में एक नई सरकार के सत्ता में आने की संभावना नहीं है, भले ही वर्तमान नेतृत्व को हटा दिया जाए। अभी चंद महीने पहले ही जब ईरान में हुकूमत के खिलाफ लोग एकजुट थे तो ट्रंप ने ईरानी जनता को संबोधित करते हुए सत्ता परिवर्तन का भरोसा दिलाया था। लेकिन आज उनका सुर बदल गया। अब वह ईरान की जनता से कह रहे है- सत्ता अपने हाथ में ले लीजिए। लेकिन कैसे? अयातुल्लाह अली खामेनेई और कथित परमाणु प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने से शुरू हुई बमबारी के लक्ष्य अब तेल ठिकाने और पानी के प्लांट पर हैं। ईरान की सैन्य क्षमता को तो नुकसान पहुंच ही रहा है, पर बराबर क्षति वहां की जनता को भी उठानी पड़ रही है। जिसके लिए ईरानी जनता ट्रंप को ही उत्तरदाई मानती है। लिहाजा ईरान में सत्ता परिवर्तन की ट्रंप की ख्वाहिश पूरी होना इसलिए मुश्किल नहीं है क्योंकि इतिहास उनके खिलाफ खड़ा है, बल्कि इसलिए क्योंकि इतिहास-भूगोल तेहरान के साथ है। वॉशिंगटन ने हमेशा यह भ्रम बनाए रखने का प्रयास किया। यह प्रयास अब भी जारी है।

ईरान- भारत का मित्र या शत्रु ?

सौरभ वार्ष्णेय

अगर हम ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध के बारे में पड़ताल करें तो पायेंगे कि भारत और ईरान के संबंध हजारों वर्षों पुराने हैं। प्राचीन काल से ही दोनों क्षेत्रों के बीच व्यापार, संस्कृति और भाषा का आदान-प्रदान होता आया है। फ़ारसी भाषा का प्रभाव भी मध्यकालीन भारत की प्रशासनिक और सांस्कृतिक परंपराओं में भी दिखाई देता है। हमें ईतिहास में जाकर यह भी भूलना न होगा कि संघर्ष भी हुए, जैसे 1739 में ईरानी शासक नाडेर शाह ने भारत पर आक्रमण कर बैटल ऑफ करनाल में मुग़लों को हराया था। लेकिन आधुनिक दौर में दोनों देशों के संबंध मुख्यतः सहयोग और कूटनीति पर आधारित रहे हैं। अगर हम ऊर्जा और व्यापार में साझेदारी की बात करें तो भारत एक बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता देश है और ईरान तेल-गैस का बड़ा स्रोत रहा है। भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए ईरान महत्वपूर्ण माना जाता है। इसी संदर्भ में भारत ने ईरान के चाबाहार पोर्ट के विकास में निवेश किया है, जिससे भारत को अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक पहुँच मिलती है और पाकिस्तान को बाईपास करने का रास्ता मिलता है।

अमेरिका -इजरायल-ईरान के बीच युद्ध चल रहा है। ऐसे में देश के अंदर बहस छिड़ी हुई है कि ईरान का विरोध किया जाए या समर्थन । वहीं देश में ईरान के मृत पूर्व लीडर अली ख़ामेनेई की तस्वीर लेकर एक वर्ग समुदाय अपना दुख प्रगट कर रहा है। ऐसे में भारत ने भी ईरान के दूतावास जाकर कुछ दिन बाद जाकर अपनी श्रद्धांजलि दुख प्रगट कर आया है। भारत और ईरान के संबंधों को यदि सरल शब्दों में समझा जाए, तो यह कहना अधिक उचित होगा कि ईरान न तो भारत का शत्रु है और न ही पारंपरिक अर्थों में सैन्य सहयोगी मित्र। बल्कि दोनों देशों के संबंध हितों, इतिहास और कूटनीति पर आधारित रणनीतिक साझेदारी के रूप में विकसित हुए हैं। ईरान भारत का शत्रु नहीं है, लेकिन पारंपरिक सैन्य मित्र भी नहीं है। वहीं संसद में भी विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी स्पष्ट कर दिया कि हमारी सरकार की प्रत्येक गतिविधियों पर नजर जारी है ताकि वर्तमान हालात पर नियंत्रण रहें। लेकिन सरकार अभी तक यह नहीं बता पाई कि इस युद्ध के पनपने वाली मंहगाई से कैसे निपटेगी। वर्तमान में कर्मशियल गैस पर अंकुश लग चुका है। घरेलू गैस पर संकट न आये तो सरका र क्या क्या कार्य रही है।

अगर हम ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध के बारे में पड़ताल करें तो पायेंगे कि भारत और ईरान के संबंध हजारों वर्षों पुराने हैं। प्राचीन काल से ही दोनों क्षेत्रों के बीच व्यापार, संस्कृति और भाषा का आदान-प्रदान होता आया है। फ़ारसी भाषा का प्रभाव भी मध्यकालीन भारत की प्रशासनिक और सांस्कृतिक परंपराओं में भी दिखाई देता है। हमें ईतिहास में जाकर यह भी भूलना न होगा कि संघर्ष भी हुए, जैसे 1739 में ईरानी शासक नाडेर शाह ने भारत पर आक्रमण कर बैटल ऑफ करनाल में मुग़लों को हराया था। लेकिन

आधुनिक दौर में दोनों देशों के संबंध मुख्यतः सहयोग और कूटनीति पर आधारित रहे हैं।

अगर हम ऊर्जा और व्यापार में साझेदारी की बात करें तो भारत एक बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता देश है और ईरान तेल-गैस का बड़ा स्रोत रहा है। भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए ईरान महत्वपूर्ण माना जाता है। इसी संदर्भ में भारत ने ईरान के चाबाहार पोर्ट के विकास में निवेश किया है, जिससे भारत को अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक पहुँच मिलती है और पाकिस्तान को बाईपास करने का रास्ता मिलता है। ज्ञात रहे कि भारत -ईरान का रणनीतिक सहयोग रहा है और भारत और ईरान कई क्षेत्रों में सहयोग करते आये हैं। जैसे कि आतंकवाद और ड्रग तस्करी के खिलाफ सहयोग। अफगानिस्तान की स्थिरता में साझा हित, व्यापार और क्षेत्रीय संपर्क परियोजनाएं सहित अन्य कारणों से ईरान भारत के लिए रणनीतिक रूप से उपयोगी साझेदार माना जाता रहा है। आज की अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भारत की नीति स्पष्ट है कि सभी देशों से संबंध रखना। किसी एक गुट में पूरी तरह शामिल न होना। अपने राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता देना। इसलिए ईरान-इजरायल या ईरान-अमेरिका तनाव में भारत अक्सर तटस्थ रुख अपनाता है और शांति की अपील करता है।

वहीं पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और वैश्विक राजनीति के बदलते समीकरणों के बीच यह सवाल बार-बार उठता है कि क्या ईरान भारत का मित्र है या शत्रु। दरअसल अंतरराष्ट्रीय राजनीति में रिश्ते स्थायी दोस्ती या दुश्मनी के आधार पर नहीं बल्कि राष्ट्रीय हितों के आधार पर तय होते हैं। भारत और ईरान के संबंध भी इसी सिद्धांत पर चलते रहे हैं।

पश्चिम एशिया की राजनीति में ईरान लंबे समय से एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली देश रहा है। हाल के वर्षों में क्षेत्रीय संघर्ष, प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय दबावों के कारण ईरान वैश्विक चर्चा के केंद्र में बना हुआ है। खासकर अमेरिका और इजराइल के साथ उसके तनावपूर्ण संबंधों ने पूरे पश्चिम एशिया की स्थिरता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ईरान की विदेश नीति हमेशा से पश्चिमी देशों के प्रभाव का विरोध करने वाली रही है। 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से ही अमेरिका और ईरान के रिश्तों में कड़वाहट बनी हुई है। अमेरिका द्वारा लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों ने ईरान की अर्थव्यवस्था को काफी प्रभावित किया है, लेकिन इसके बावजूद ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रम और क्षेत्रीय प्रभाव को बनाए रखने की कोशिश जारी रखी है।इजराइल और ईरान के बीच बढ़ता तनाव भी वैश्विक चिंता का विषय बन चुका है। दोनों देशों के बीच सीधे युद्ध की स्थिति न होते हुए भी छद्म युद्ध और सैन्य गतिविधियाँ लगातार जारी हैं। यदि यह तनाव खुली लड़ाई में बदलता है तो इसका असर केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा बाजार और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा पर भी पड़ेगा। भारत के लिए भी ईरान का महत्व कम नहीं है। भारत और ईरान के बीच ऊर्जा, व्यापार और रणनीतिक सहयोग के संबंध रहे हैं। विशेष रूप से चाबहार बंदरगाह परियोजना भारत के लिए मध्य एशिया और अफगानिस्तान तक पहुंच का एक महत्वपूर्ण मार्ग है। हालांकि अमेरिका के प्रतिबंधों के कारण भारत को ईरान के साथ अपने संबंधों में संतुलन बनाए रखना पड़ता है। आज के समय में आवश्यकता इस बात की है कि ईरान और पश्चिमी देशों के बीच संवाद और कूटनीति को बढ़ावा दिया जाए। युद्ध और टकराव किसी भी समस्या का समाधान नहीं होते। यदि कूटनीतिक प्रयास सफल होते हैं तो न केवल पश्चिम एशिया में शांति स्थापित हो सकती है, बल्कि वैश्विक आर्थिक स्थिरता भी मजबूत हो सकती है।

फूहड़ कंटेंट, सोशल मीडिया और संस्कृतिः जिम्मेदारी किसकी?

डॉ. प्रियंका सौरभ

डिजिटल युग ने हमारे समाज की संरचना, सोच और अभिव्यक्ति के तरीकों को गहराई से बदल दिया है। आज मोबाइल फोन और इंटरनेट के माध्यम से कोई भी व्यक्ति कुछ ही सेकंड में लाखों लोगों तक पहुंच सकता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने अभिव्यक्ति को लोकतांत्रिक बनाया है—जहां पहले मनोरंजन और प्रसिद्धि के अवसर सीमित लोगों तक होते थे, वहीं अब हर व्यक्ति के पास अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच है। लेकिन इस नए अवसर के साथ कई नई चुनौतियाँ भी सामने आई हैं। इन चुनौतियों में सबसे बड़ी बहस उस कंटेंट को लेकर है जिसे समाज का एक वर्ग "फूहड़" या "अशोभनीय" मानता है।

पिछले कुछ वर्षों में सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो तेजी से वायरल होते देखे गए हैं जिनमें डांस, अभिनय या मनोरंजन के नाम पर ऐसे हाव-भाव और प्रस्तुति दिखाई जाती है जिन्हें कई लोग सांस्कृतिक मूल्यों के विरुद्ध मानते हैं। इन वीडियो को लाखों व्यूज, लाइक्स और शेयर मिलते हैं, जिससे वे और अधिक लोगों तक पहुंचते हैं। लोकप्रियता की इस दौड़ में कई बार कंटेंट की गुणवत्ता और सामाजिक जिम्मेदारी पीछे छूट जाती है।

समाज के एक बड़े वर्ग का मानना है कि इस प्रकार के कंटेंट का प्रभाव विशेष रूप से युवाओं और किशोरों पर पड़ता है। जब वे देखते हैं कि कुछ लोग केवल कुछ सेकंड के वीडियो बनाकर अत्यधिक प्रसिद्धि और आर्थिक लाभ प्राप्त कर रहे हैं, तो उनके मन में भी वैसा ही करने की इच्छा पैदा हो सकती है। कई बार यह प्रेरणा रचनात्मक दिशा में जाती है—जैसे संगीत, कला, नृत्य या शिक्षा से जुड़े कंटेंट बनाना। लेकिन कई मामलों में यह प्रेरणा केवल वायरल होने की दौड़ में बदल जाती है, जहां ध्यान आकर्षित करने के लिए किसी भी प्रकार का तरीका अपनाया जाता है। यह भी देखा गया है कि सोशल मीडिया पर ट्रेंड और एल्गोरिद्म का बहुत बड़ा प्रभाव होता है। जो कंटेंट अधिक देखा और साझा किया जाता है, वही तेजी से फैलता है। ऐसे में यदि दर्शक बार-बार उसी प्रकार के वीडियो देखते हैं जिन्हें वे स्वयं "फूहड़" कहते हैं, तो अनजाने में वे उसी प्रवृत्ति को बढ़ावा भी दे रहे होते हैं। इसलिए केवल कंटेंट बनाने वालों को दोष देना इस समस्या का पूरा समाधान नहीं है। दर्शक भी इस डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

दूसरी ओर, यह तर्क भी सामने आता है कि कला और मनोरंजन की अपनी स्वतंत्रता होती है। नृत्य, अभिनय और अभिव्यक्ति के कई रूप होते हैं, और हर व्यक्ति उन्हें अलग-अलग तरीके से देखता है। जो एक व्यक्ति को अनुचित लगता है, वही दूसरे के लिए केवल मनोरंजन या कला का एक रूप हो सकता है। इसी कारण इस विषय पर समाज में तीखी बहस देखने को मिलती है। कुछ लोग इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हिस्सा मानते हैं, जबकि अन्य इसे सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों के क्षरण के रूप में देखते हैं। यहाँ एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है—क्या किसी भी प्रकार की लोकप्रियता को सफलता का मानक माना जाना चाहिए? सोशल मीडिया ने प्रसिद्धि प्राप्त करने की प्रक्रिया को बहुत तेज कर दिया है। पहले किसी कलाकार को पहचान पाने में वर्षों लग जाते थे; आज एक वायरल वीडियो किसी को रातों-रात स्टार बना सकता है। लेकिन यह त्वरित प्रसिद्धि कई बार स्थायी नहीं होती और इसके सामाजिक प्रभाव भी जटिल हो सकते हैं। कई युवा इस भ्रम में पड़ सकते हैं कि केवल विवादास्पद या ध्यान आकर्षित करने वाला कंटेंट ही सफलता का रास्ता है। परिणामस्वरूप वे अपनी प्रतिभा को विकसित करने की बजाय तात्कालिक लोकप्रियता के पीछे भागने लगते हैं। यह प्रवृत्ति न केवल व्यक्तिगत विकास को प्रभावित करती है, बल्कि समाज में मनोरंजन की गुणवत्ता पर भी असर डालती है।

संस्कृति की बात करें तो यह किसी एक व्यक्ति या एक पीढ़ी की देन नहीं होती। संस्कृति सदियों के अनुभव, परंपराओं और सामाजिक मूल्यों से बनती है। इसमें परिवर्तन भी होता रहता है—क्योंकि हर युग अपने साथ नए विचार और नए रूप लेकर आता है। लेकिन परिवर्तन और अतिरेक के बीच संतुलन बनाए रखना भी आवश्यक है। जब मनोरंजन का उद्देश्य केवल सनसनी या ध्यान आकर्षित करना बन जाए, तो समाज में यह चिंता स्वाभाविक है कि कहीं हम अपने मूल्यों से दूर तो नहीं जा रहे। इस संदर्भ में परिवार, शिक्षा और समाज की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। बच्चों और युवाओं को यह समझाना जरूरी है कि इंटरनेट पर दिखने वाली हर चीज़ अनुकरण के योग्य नहीं होती। डिजिटल साक्षरता—यानी यह समझ कि ऑनलाइन दुनिया कैसे काम करती है—आज के समय की बड़ी आवश्यकता बन गई है। यदि युवा यह समझ पाएँ कि एल्गोरिद्म कैसे काम करते हैं, व्यूज और लाइक्स कैसे बढ़ते हैं, और किस प्रकार का कंटेंट उन्हें प्रभावित कर सकता है, तो वे अधिक जागरूक निर्णय ले सकेंगे। कंटेंट क्रिएटर्स की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। जो लोग लाखों दर्शकों तक पहुंच रखते हैं, उनके पास समाज को प्रभावित करने की शक्ति भी होती है। यदि वे अपनी लोकप्रियता का उपयोग सकारात्मक संदेश, रचनात्मक कला और प्रेरणादायक सामग्री के लिए करें, तो वही सोशल मीडिया समाज के लिए एक सशक्त मंच बन सकता है। कई उदाहरण ऐसे भी हैं जहां क्रिएटर्स ने शिक्षा, लोक संस्कृति, भाषा और परंपराओं को बढ़ावा देने का काम किया है और लाखों लोगों को प्रभावित किया है। इसलिए समाधान केवल विरोध या बहिष्कार में नहीं, बल्कि संतुलित दृष्टिकोण में है। समाज को यह तय करना होगा कि वह किस प्रकार के कंटेंट को बढ़ावा देना चाहता है। यदि दर्शक रचनात्मक, ज्ञानवर्धक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध सामग्री को अधिक समर्थन देंगे, तो स्वाभाविक रूप से वही कंटेंट अधिक दिखाई देगा। सोशल मीडिया का एल्गोरिद्म अंततः दर्शकों की पसंद पर ही निर्भर करता है। इसके साथ ही प्लेटफॉर्म कंपनियों की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे ऐसे मानक और नीतियाँ विकसित करें जो समाज के व्यापक हितों का ध्यान रखें। कई प्लेटफॉर्म पहले से ही समुदाय दिशानिर्देश (community guidelines) लागू करते हैं, लेकिन उनकी प्रभावशीलता इस बात पर निर्भर करती है कि उन्हें कितनी गंभीरता से लागू किया जाता है। अंततः यह समझना जरूरी है कि संस्कृति की रक्षा केवल नारों या हैशटैग से नहीं होती। संस्कृति तब मजबूत होती है जब समाज अपने व्यवहार, चुनाव और प्राथमिकताओं के माध्यम से उसे जीवित रखता है। यदि हम वास्तव में अपनी सांस्कृतिक पहचान को सुरक्षित रखना चाहते हैं, तो हमें सकारात्मक विकल्पों को बढ़ावा देना होगा—चाहे वह लोक कला हो, पारंपरिक संगीत हो, साहित्य हो या आधुनिक लेकिन संवेदनशील और जिम्मेदार मनोरंजन। सोशल मीडिया एक शक्तिशाली माध्यम है। यह समाज को जोड़ भी सकता है और भटका भी सकता है। फर्क केवल इस बात से पड़ता है कि हम इसे किस तरह उपयोग करते हैं।

जन्म के बाद राम नाम निकला था तुलसीदास के मुख से

हिंदी साहित्य के महान कवि व रामचरित मानस जैसी अनुपम -ति की रचना करने वाले संत तुलसीदास का जन्म संवत 1556 की श्रावण शुक्ल सप्तमी के दिन अभुक्तमूल नक्षत्र में हुआ था। इनके पिता का नाम आत्मा राम दुबे व माता का नाम हुलसी था। जन्म के समय तुलसीदास जी रोये नहीं थे अपितु उनके मुंह से राम शब्द निकला था तथा उनके मुख में 32 दांत मौजूद थे। ऐसे अद्भुत बालक को देखकर मातापिता बहुत चिंतित हो गए, माता हुलसी अपने बालक को अनिष्ट की आशंका से दासी के साथ ससुराल भेज आयीं और स्वयं चल बसीं। फिर पांच वर्ष की अवस्था तक दासी ने ही उनका पालन पोषण किया तथा उसी पाचवें वर्ष बाद वह भी चल बसीं। अब यह बालक पूरी तरह अनाथ हो गया। इस अनाथ बालक पर संत श्री नरहर्यानंदजी की नजर पड़ी उन्होंने बालक का नाम रामबोला रखा और अयोध्या आकर उनकी शिक्षा दीक्षा की व्यवस्था की। बालक बचपन से ही प्रखर बुद्धि का था। गुरूकुल में उसे हर पाठ बड़ी शीघ्रता से याद हो जाता था। नरहरि जी ने बालक को रामंत्र की दीक्षा दी व रामकथा सुनाई। यहां से बालक रामबोला के जीवन की दिशा बदल गयी और वे काशी चले गए। वहां पर 15 वर्ष तक शेषसनातन जी के पास रहकर वेद वेदांग का अध्ययन किया, फिर गुरु से आज्ञा लेकर वे वापस घर लौट आए और जहां उन्हें अपने परिवार के विषय में पता चला। परिवार के विषय में जानकर उन्होंने पिता आदि का विधिपूर्वक श्राद्ध किया और वहीं रहकर जनता को रामकथा सुनाने लगे। सवंत 1583 को एक कन्या के साथ उनका विवाह हुआ। एक दिन वह अचानक अपने घर चली गयी तो वे भी उसके पीछे उसके घर पहुंच गए। उनकी पत्नी ने उन्हें बहुत धिक्कारा और कहा कि तुम्हारी जितनी आसक्ति मेरे प्रति है उससे कहीं अधिक आसक्ति ईश्वर पर लगाओ तो तुम्हारा कल्याण हो जाए। इतना सुनते ही वे प्रयाग वापस आ गए और गृहस्थ जीवन का त्यागकर साधुवेश धारण कर लिया। फिर काशी में मानसरोवर के पास उन्हें काकभुशु.डि जी के दर्शन हुए और वे काशी में ही रामकथा कहने लगे।

धर्मकर्म

आज का इतिहास

1799 - ऑस्ट्रिया ने फ्रांस के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
1872 - लॉर्ड मायो को मौत के घाट उतारने वाले शेर अली को फांसी पर लटकाया गया।
1930 - गांधी जी ने नमक सत्याग्रह के लिए अहमदाबाद के साबरमती आश्रम से अपनी दांडी यात्रा शुरू की। उन्होंने इसके साथ ही सविनय अवज्ञा आंदोलन भी शुरू किया और लोगों से ब्रिटिश हुकूमत को कर अदा न करने को कहा।
1938 - जर्मनी ने ऑस्ट्रिया पर हमला किया।
1942 - दूसरे विश्व युद्ध के समय ब्रिटिश सैनिकों ने अंडमान द्वीप खाली किया।
1954 - भारत सरकार ने साहित्य अकादमी की स्थापना की।
1960 - भारतीय मनीषी, लेखक और संस्कृत विद्वान क्षितिमोहन सेन का निधन।
1967 - इंदिरा गांधी दूसरी बार देश की प्रधानमंत्री बनीं।
1992 - मारिशस गणराज्य घोषित।
1993 - मुंबई में कई बम धमाकें हुए और उनमें 300 लोग मारे गए और सैकड़ों से अधिक घायल हो गए।
1998 - प्रथम टर्बोनेट इंजन निर्माता हेन्स जोशिम पाबस्ट वान ओहेन का निधन।
2003 - सर्बिया के प्रधानमंत्री जोरान जिनजिब की बेलग्रेड में हत्या।
2004 - दक्षिण कोरियाई संसद में महाभियोग पारित होने के बाद राष्ट्रपति रोह मू हुन पद से निलम्बित।
2004 - लाहौर में दसवां दक्षेस लेखक सम्मेलन प्रारम्भ।
2006 - ईराक में सद्दाम हुसैन के विरुद्ध मुकदमे की सुनवाई प्रारम्भ।
2007 - जमैका में 9वें विश्वकप क्रिकेट का उद्घाटन हुआ।
2008 - पुदुचेरी के उपराज्यपाल मुकुट मिथी ने अपने पद से इस्तीफा दिया।
2008 - केन्द्रीय मंत्रिमण्डल ने नगालैण्ड में राष्ट्रपति शासन हटाने का निर्णय लिया।
2008 -अमेरिकी वायुसेना ने विश्व के पहले स्टील्थ लड़ाकू विमान एफ-117 को अपने बेड़े से हटाया।
2008 - विश्व की सबसे लम्बी आयु की समझी जाने वाली महिला वारवा सेमेनिकोवा का रूस में 117 वर्ष की आयु में निधन।

भारत में रसोई गैस का संकट देशभर में अफरा-तफरी

सनत जैन

ईरान-इजरायल युद्ध का असर अब भारत में बड़े पैमाने पर दिखने लगा है। रसोई गैस की आपूर्ति पर जिस तरह के प्रतिबंध पेट्रोलियम कंपनियों द्वारा लगाए जा रहे हैं, उसके बाद स्थिति बुरी तरह से गड़बड़ा गई है। होटल और रेस्टोरेंट के संचालकों को कामर्शियल गैस के सिलेंडर की आपूर्ति बंद कर दी गई है। जिसके कारण देशभर के हजारों रेस्टोरेंट और होटल बंद होने की कगार पर हैं। वहीं शादी-विवाह का सीजन होने के कारण इसका असर पूरे देश में देखने को मिल रहा है। गैस सिलेंडर की कीमत पेट्रोलियम कंपनियों द्वारा बढ़ा दी गई है। गैस की डिलीवरी भी मनमाने तरीके से की जा रही है। इसको देखते हुए केंद्र सरकार ने आनन-फानन में एस्मा लागू किया है। इससे स्पष्ट है, भारत में रसोई गैस को लेकर अचानक पैदा हुए संकट ने आम जनता से लेकर छोटे कारोबारियों को मुसीबत में डाल दिया है। कामर्शियल एवं घरेलू एलपीजी सिलेंडरों पर लगी पाबंदियों और आपूर्ति में आई रुकावटों के कारण देश के कई शहरों में होटल, रेस्टोरेंट और छोटे खाद्य व्यवसाय बंद होने की स्थिति में आ गए हैं। देश भर के कई स्थानों के होटल और ढाबों ने अस्थायी रूप से अपने व्यवसाय को बंद करने की घोषणा कर दी है, जिससे लाखों लोगों का रोजगार और करोड़ों लोगों की नौकरी में संकट उत्पन्न हो गया है। लोगों को चाय पानी नाश्ता और खाना भी कारोबारी स्थलों पर

नहीं मिल पा रहा है। कामर्शियल गैस सिलेंडर का इस्तेमाल देश के लाखों छोटे बड़े व्यवसायों में होता है। जहां करोड़ों लोग काम करते हैं। सड़क किनारे चाय, पोहा, वड़ा-पाव, कुलचे-भटूरे बेचने वाले छोटे दुकानदार से लेकर बड़े रेस्टोरेंट तक सभी एलपीजी गैस पर निर्भर हैं। गैस सिलेंडर की सप्लाई में रुकावट आती है, बुकिंग पर सख्त प्रतिबंध लगाए जाते हैं। इसका सीधा असर करोड़ों लोगों पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से पडने जा रहा है। देश के कई शहरों में एजेंसियों के बाहर सिलेंडर लेने के लिए लंबी कतारें लग रही हैं। कहीं-कहीं कानून व्यवस्था की स्थिति भी गड़बड़ाने लगी है। हर तरफ बेचैनी का माहौल देखने को मिल रहा है।

सरकार का दावा है, देश में गैस का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। किसी संकट की स्थिति नहीं है। विपक्ष ने संसद में चर्चा की मांग की, जिसे सरकार ने स्वीकार नहीं किया। 24 घंटे के अंदर ही जमीनी हालात कुछ और कहानी कह रहे हैं। कई जगहों पर गैस सिलेंडर की आपूर्ति की शिकायतें मिलने लगी हैं। इससे लोगों के बीच घबराहट फैल रही है। गैस की आपूर्ति पर कालाबाजारी होने लगी है। विशेषज्ञों का कहना है, इतने बड़े संकट में ऊर्जा आपूर्ति जैसे संवेदनशील मामले में नीतिगत निर्णय सोच-समझकर करने चाहिए। जब संसद सत्र चल रहा है, तब इस गंभीर संकट पर विस्तृत चर्चा होनी ही चाहिए। अचानक लगाए गए प्रतिबंध या आपूर्ति में बदलाव के निर्णय का असर केवल व्यापार तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसका असर व्यापक स्तर पर सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र मंर देखने को मिल रहा है। एलपीजी के अभाव में होटल और छोटे खाद्य व्यवसाय बंद होने लगे हैं। इससे लाखों मजदूरों, कर्मचारियों तथा छोटे कारोबारियों की आजीविका प्रभावित हो रही है। शहरी क्षेत्र में खाना बनाना भी आम परिवारों के लिए बड़ा मुश्किल हो जाएगा। भारत में बिजली की आपूर्ति बेहतर स्थिति में नहीं है। जिसके कारण ऊर्जा का संकट देश में प्रत्येक परिवार पर गंभीर रूप से प्रभाव डाल रहा है। सरकार की जिम्मेदारी है, वह वर्तमान स्थिति को पारदर्शिता के साथ संसद और आम जनता के सामने रखे। देश की जनता को विश्वास में ले। रसोई गैस, पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति को सुचारु बनाए रखने के लिए सुनिश्चित किया जाए। पेट्रोल डीजल और रसोई गैस की उपलब्धता निरंतर बनी रहे। छोटे कारोबारियों और उससे जुड़े हुए लोगों को परेशानियों का सामना ना करना पड़े। इसके लिए रसोई गैस, पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति में व्यवधान ना हो। इनकी कीमतें नियंत्रित रहें। देश की अर्थव्यवस्था में छोटे व्यवसायों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस स्थिति में सरकार की नीति या आदेश का असर यदि आम जनता के अस्तित्व पर पड़ने लगे। उस पर गंभीरता के साथ विचार विमर्श कर निर्णय करना आवश्यक हो जाता है। केंद्र सरकार द्वारा 10 मार्च 2026 को एस्मा लागू करते हुए रिफाइनरियों और गैस आपूर्ति करने वाली कंपनियों और डीलरों के लिए 6 महीने के लिए लागू किया है। इसमें रिफाइनरी और तेल कंपनियों को आपूर्ति बनाए रखने के लिए विशेष प्रावधान लागू किए गए हैं। अमेरिका और ईरान युद्ध के बाद जिस तरह से कच्चे तेल प्राकृतिक गैस की आपूर्ति एवं कीमत बढ़ने का असर आम जनता के ऊपर प्रत्यक्ष रूप से देखने को मिल रहा है। वैसी कोई तैयारी शासन स्तर पर दिख नहीं रही है। संसद सत्र में इसकी चर्चा नहीं हो रही है। इसको लेकर आम जनता के मन में वर्तमान युद्ध के हालात को देखते हुए अपने भविष्य और सरकार की विश्वसनियता को लेकर अनिश्चितता का वातावरण बढ़ता चला जा रहा है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

भविष्य सुरक्षित करने के लिए जल संरक्षण को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा: राष्ट्रपति

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि जल संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है और हमें जल को केवल उपयोग की वस्तु के रूप में नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों की अमूल्य धरोहर के रूप में देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि अपने भविष्य को सुरक्षित करने के लिए जल संरक्षण को जीवन और व्यवहार का अभिन्न हिस्सा बनाना आवश्यक है।

राष्ट्रपति ने बुधवार को यहां आयोजित जल महोत्सव 2026 में भाग लेते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारत में जल केवल एक बुनियादी सुविधा नहीं है बल्कि यह हमारी संस्कृति, परंपराओं, आजीविका और सामुदायिक जीवन से भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक गांवों में लोगों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों को पीने का पानी लाने के लिए दूर-दूर तक जाना पड़ता था। स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना केवल सुविधा का विषय नहीं था बल्कि समय, स्वास्थ्य और सम्मान से भी जुड़ा था। इन चुनौतियों से निपटने के लिए केंद्र सरकार ने जल जीवन मिशन की शुरुआत की, जिसके माध्यम से अब ग्रामीणों को अपने घरों में स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि जब किसी संसाधन की जिम्मेदारी सरकार के साथ-साथ पूरा समाज मिलकर उठाता है, तब उसका संरक्षण अधिक प्रभावी और स्थायी होता है। जल प्रबंधन और संरक्षण में सामुदायिक स्वामित्व की भूमिका भी बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि 'जल अर्पण दिवस' के तहत जल आपूर्ति ढांचे को ग्राम पंचायतों को सौंपने से सामुदायिक स्वामित्व की भावना और मजबूत होगी।

उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूह जल परीक्षण, संचालन और रखरखाव जैसे कार्यों में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। इन समूहों की प्रतिबद्धता और समर्पण से महिलाओं और समाज के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आए हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं की क्षमता का उपयोग जल सुरक्षा सुनिश्चित करने में अत्यंत उपयोगी साबित होगा। राष्ट्रपति ने कहा कि जल सुरक्षा को मजबूत करने के लिए बहुआयामी और समन्वित प्रयास आवश्यक हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ भारत मिशन के साथ समन्वय कर ग्रे-वॉटर प्रबंधन को बढ़ावा दिया जा रहा है। साथ ही जल संरक्षण के लिए केंद्रीय भूजल बोर्ड तथा अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि 'कैच द रेन' और 'जल संचय जन भागीदारी' जैसे अभियान वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इस प्रकार के समन्वित प्रयास देश की जल सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि युवा पीढ़ी में जल प्रबंधन और संरक्षण के प्रति जागरूकता भविष्य में देश की जल सुरक्षा को मजबूत करेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि 'जल महोत्सव' भारत की जल सुरक्षा के लिए जनआंदोलन का माध्यम बनेगा। उल्लेखनीय है कि जल शक्ति मंत्रालय द्वारा 8 मार्च से 22 मार्च तक 'जल महोत्सव 2026' का आयोजन किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण पेयजल सेवाओं में जनभागीदारी और सामुदायिक स्वामित्व को मजबूत करना है।

लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव संसदीय परंपराओं के लिए दुर्भाग्यपूर्ण : अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा अध्यक्ष को हटाने के प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि यह कोई सामान्य घटना नहीं है। करीब चार दशक बाद लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है, जो संसदीय राजनीति और सदन दोनों के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि लोकसभा के इतिहास के अनुसार सदन की कार्यवाही आपसी विश्वास के आधार पर चलती है। अध्यक्ष एक निष्पक्ष संरक्षक के रूप में कार्य करते हैं, जो सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसी उद्देश्य से सदन ने नियम बनाए हैं, जिनके आधार पर अध्यक्ष सदन की कार्यवाही का संचालन करते हैं। अमित शाह ने कहा कि यह सदन कोई बाजार नहीं है, बल्कि यहां सदस्यों से अपेक्षा की जाती है कि वे निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं के अनुसार अपनी बात रखें और चर्चा में भाग लें। उन्होंने कहा कि कोई भी सदस्य अपने अधिकारों की बात कर सकता है, लेकिन सदन के नियमों का उल्लंघन नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि जब भारतीय जनता पार्टी विपक्ष में थी, तब भी उसने कभी लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव नहीं लाया। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष के फैसलों से असहमति हो सकती है लेकिन लोकसभा के नियमों के अनुसार अध्यक्ष का निर्णय अंतिम माना जाता है और उसकी निष्ठा पर सवाल नहीं उठाया जाना चाहिए। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि जब वर्तमान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को इस पद पर चुना गया था, तब सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों के नेताओं ने मिलकर उन्हें आसन तक पहुंचाया था। इसका अर्थ है कि दोनों पक्षों की जिम्मेदारी है कि वे अध्यक्ष को अपने दायित्वों के निर्वहन के लिए निष्पक्ष और स्वतंत्र वातावरण दें। उन्होंने कहा कि पिछले 75 वर्षों में संसद के दोनों सदनों ने देश के लोकतंत्र की नींव को मजबूत किया है और पूरी दुनिया भारत की लोकतांत्रिक प्रणाली की प्रतिष्ठा को स्वीकार करती है। लेकिन जब सदन के प्रमुख पद पर बैठे व्यक्ति की निष्ठा पर सवाल उठाए जाते हैं, तो इसका असर केवल देश में ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पड़ता है। अमित शाह ने कहा कि आमतौर पर लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव बहुत कम लाए जाते हैं। सदस्यों को अपनी बात रखने के लिए अध्यक्ष के कक्ष में जाने और संवाद करने का अवसर होता है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति नहीं बननी चाहिए कि अध्यक्ष की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठने लगें क्योंकि इससे संसदीय परंपराओं की गरिमा को ठेस पहुंचती है।

मदुरै में मीनाक्षी चिथिरै महोत्सव 19 अप्रैल से होगा शुरू

मदुरै। तमिलनाडु के सबसे प्रसिद्ध और ऐतिहासिक धार्मिक उत्सवों में से एक मदुरै चिथिरै महोत्सव के कार्यक्रमों की आधिकारिक घोषणा कर दी गई है। इस वर्ष यह महोत्सव 19 अप्रैल को ध्वजारोहण के साथ शुरू होगा। इसका समापन 1 मई को होगा। मधुराइन मीनाक्षी मंदिर की प्रबंधन समिति ने एक बयान जारी कर कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। इस उत्सव के मुख्य कार्यक्रमों में मीनाक्षी तिरुकल्याणम (दिव्य विवाह), रथ उत्सव और कल्लाझगर के वैगई नदी में अवतरण शामिल हैं। उन्होंने बताया कि मदुरै चिथिरै महोत्सव 19 अप्रैल को ध्वजारोहण के साथ शुरू होगा। इसके बाद 26 अप्रैल को मीनाक्षी अम्मन का पट्टाभिषेक किया जाएगा। 27 अप्रैल को मीनाक्षी–सुंदरेश्वरर का दिव्य विवाह (तिरुकल्याणम) होगा। 28 अप्रैल को प्रसिद्ध रथ उत्सव, 29 अप्रैल को कल्लाझगर का एधिरसेवै (स्वागत समारोह) होगा और 30 अप्रैल को कल्लाझगर का वैगई नदी में अवतरण होगा।इसके अलावा 1 मई को कल्लाझगर की वापसी से संबंधित कार्यक्रम आयोजित होंगे। इसी के साथ कई दिनों तक चलने वाला मदुरै चिथिरै महोत्सव का समापन हो जाएगा। उल्लेखनीय है कि इस उत्सव को लेकर न केवल मदुरै के लोग बल्कि पूरे तमिलनाडु के लोग भी बड़ी उत्सुकता से इंतजार कर रहे हैं। इस महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। इसे आध्यात्मिक पर्व के रूप में मनाया जाता है। यह महोत्सव मदुरै की संस्कृति, भक्ति और परंपरा को दुनिया के सामने प्रस्तुत करने वाला एक महत्वपूर्ण उत्सव है और हर साल बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है।

गिरिराज सिंह ने 'भारत टेक्स 2026' के तीसरे संस्करण का किया शुभारंभ

नई दिल्ली। केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने दिल्ली स्थित उद्योग भवन में बुधवार को 'भारत टेक्स 2026' के तीसरे संस्करण का शुभारंभ किया। मंत्री ने कहा कि भारत मंडपम में 14-17 जुलाई तक आयोजित होने वाला यह मेला दुनिया का सबसे बड़ा एकीकृत वस्त्र आयोजन होगा।

गिरिराज सिंह ने मीडिया को बताया कि भारत के वस्त्र उद्योग को वैश्विक पटल पर नई पहचान देने और देश को दुनिया का सबसे विश्वसनीय 'आपूर्ति गंतव्य' बनाने के उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि 'भारत टेक्स 2026' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 5 एफ विजन फार्म, फाइबर फैक्ट्री, फैशन और फॉरेन का जीता-जागता उदाहरण है। यह मंच फाइबर और यार्न से लेकर तैयार परिधान तकनीकी वस्त्र तथा हस्तशिल्प तक पूरी 'वैल्यू चेन' को एक छत के नीचे लाएगा। मंत्री ने कहा कि भारत टेक्स न केवल नवाचार और व्यापार का प्रदर्शन है बल्कि यह 'मेक इन इंडिया' की भावना के साथ वैश्विक वस्त्र अर्थव्यवस्था में भारत के बढ़ते नेतृत्व का भी प्रतीक है। इस बार का आयोजन न केवल आकार में बल्कि प्रभाव में भी नया कीर्तिमान स्थापित करेगा।

1.6 लाख वर्ग मीटर के विशाल परिसर में 3,500 प्रदर्शक अपनी तकनीक और शिल्प का प्रदर्शन करेंगे। दुनिया भर के 140 से अधिक देशों से करीब 7,000 खरीदार भारतीय बाजार की क्षमता को देखने पहुँचेंगे। कुल 1.3 लाख आगंतुकों के साथ यह वस्त्र जगत का सबसे बड़ा महाकुंभ बनने जा रहा है। वस्त्र सचिव नीलम शमी राव ने कहा कि यह मेला एमएसएमई और स्टार्टअप्स को वैश्विक दर्शकों से जुड़ने का सुनहरा अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि विपरीत वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद भारतीय कपड़ा उद्योग ने लचीलापन दिखाया है और अब नए एफटीए समझौतों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय बाजारों में विविधता लाने का समय है। इस बार मध्य प्रदेश को 'राज्य भागीदार' के रूप में पहले ही घोषित किया जा चुका है।

यह आयोजन भारत टेक्सटाइल ट्रेड फेडरेशन (बीटीटीएफ) द्वारा संचालित किया जा रहा है जिसमें 11 निर्यात संवर्धन परिषदें शामिल हैं। बीटीटीएफ के अध्यक्ष नरेन गोयनका और सह-अध्यक्ष भद्रेश डोडिया ने विश्वास व्यक्त किया कि यह 'मदर प्लेटफॉर्म' भारतीय वस्त्रों की गुणवत्ता, गति और शक्ति का प्रमाण बनेगा।

तेलंगाना विस स्पीकर ने दो विधायकों की अयोग्यता याचिकाएं कीं खारिज

हैदराबाद। तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद राव ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायक दानम नागेंद्र और कादियम श्रीहरि के खिलाफ दायर अयोग्यता याचिकाओं को खारिज कर दिया।। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि कोई ठोस प्रमाण नहीं है कि दोनों विधायकों ने आधिकारिक रूप से पार्टी बदली है। उपलब्ध सामग्री और सुनवाई के दौरान दिए गए स्पष्टीकरण के आधार पर याचिकाओं को खारिज कर किया जाता है।

विधानसभा स्पीकर गद्दाम प्रसाद राव ने बुधवार को अपना फैसला सुनाया। इस मुद्दे पर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होनी है। इसके साथ ही स्पीकर ने अब तक पार्टी बदलने के आरोपों का सामना कर रहे 10 लोगों को क्लीन चिट दे दी है। विधानसभा में विपक्ष के नेता भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष रामा राव ने आरोप लगाया कि कि दोनों विधायकों ने दल-बदल विरोधी नियमों का उल्लंघन किया है। कार्यकारी अध्यक्ष ने स्पीकर के निर्णय की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि पार्टी बदलने के मामले में विधायक दानम नागेंद्र और कडियम श्रीहरि को क्लीन चिट देना लोकतंत्र पर खुला हमला है। उन्होंने स्पीकर के इस फैसले को लोकतंत्र के इतिहास का काला दिन बताया। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक फैसला नहीं है, यह सत्ता में बैठे लोगों के पक्ष में संवैधानिक तंत्र का इस्तेमाल करने का एक उदाहरण है।

पोखराहा और जोड़ में फ्लाईओवर निर्माण का मामला उठा लोकसभा में

पलामू। सांसद पलामू विष्णु दयाल राम ने बुधवार को एनएच-39 के सेक्शन-3 (भोगू से शंखा) के तहत डालटनगंज फोर लेन बाईपास में पोखराहा (डालटनगंज-पांकी मुख्य मार्ग) और जोड़ (डालटनगंज बैरिया-पाटन मार्ग) पर एनएचआइ बाईपास सड़क के उपर फ्लाईओवर का निर्माण कराने संबंधित मामले को लोकसभा में उठाया।

सांसद ने कहा कि भारत माला परियोजना के अंतर्गत रांची से वाराणसी कॉरिडोर में एनएचआइ की ओर से एनएच-39 के सेक्शन-3 के तहत डालटनगंज फोर लेन बाईपास का निर्माण किया जा रहा है, लेकिन उक्त बाईपास में पोखराहा और जोड़ में गंभीर ब्लैक स्पॉट की स्थिति पैदा हो गई है। इन स्थानों पर 04 लेन बाईपास अत्यधिक व्यस्त पथ निर्माण विभाग की दोनों सड़कों को क्रॉस करता है। भारी वाहनों, दोपहिया, स्कूली वाहन और स्थानीय आवागमन के कारण यहां निरंतर भीड़ रहती है। वर्तमान में निर्मित क्रॉसिंग अत्यंत असुरक्षित है और हाल के महीनों में कई गंभीर दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। बाईपास सड़क पूर्ण रूप से चालू होने और तीव्र गति से वाहनों के संचालन के बाद दुर्घटनाओं की आशंका और बढ़ जाएगी। इससे ग्रामीणों, किसानों, छात्र-छात्राओं और आमजन की सुरक्षा पर गंभीर खतरा उत्पन्न होगा। दोनों स्थानों पर फ्लाईओवर का निर्माण कराना जरूरी है।

प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना में छत्तीसगढ़ देश में अव्वल, मुख्यमंत्री साय ने दी बधाई

रायपुर। महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण और सशक्तिकरण के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ ने एक और महत्वपूर्ण राष्ट्रीय उपलब्धि हासिल की है। प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के क्रियान्वयन की फरवरी 2026 की स्टेट-वाइज राष्ट्रीय रैंकिंग में छत्तीसगढ़ ने बड़े राज्यों की श्रेणी में देश में पहला स्थान प्राप्त कर इतिहास रच दिया है। राज्य ने अन्य बड़े राज्यों को पीछे छोड़ते हुए यह उपलब्धि हासिल की है।

प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के क्रियान्वयन की फरवरी 2026 की स्टेट-वाइज राष्ट्रीय रैंकिंग में छत्तीसगढ़ ने 93.37 प्रतिशत नामांकन, 83.87 प्रतिशत स्वीकृति दर और 93.95 प्रतिशत शिकायतों के त्वरित समाधान के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। वहीं 30 दिनों से अधिक लंबित प्रकरणों की दर मात्र 7.07 प्रतिशत और लंबित शिकायत दर 4.96 प्रतिशत दर्ज की गई है, जो योजना के प्रभावी और पारदर्शी क्रियान्वयन को दर्शाती है। छत्तीसगढ़ ने पिछले माह की तुलना में 6 स्थानों की छलांग लगाकर पहला स्थान प्राप्त किया है।

इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और मैदानी अमले को बधाई देते हुए कहा कि, राज्य सरकार मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के माध्यम से गर्भवती महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान कर सुरक्षित मातृत्व को बढ़ावा दिया जा रहा है और छत्तीसगढ़ का प्रथम स्थान इस दिशा में किए जा रहे निरंतर प्रयासों का प्रमाण है। राज्य की महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने इस गौरवपूर्ण उपलब्धि को राज्य के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण बताते हुए विभागीय टीम को बधाई दी। बताया कि, वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक प्रदेश में 1,86,586 गर्भवती महिलाओं का प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के तहत पंजीकरण किया जा चुका है। राज्य सरकार ने अब तक 72 करोड़ 24 लाख 89 हजार रुपये की राशि सीधे पात्र हितग्राही महिलाओं के बैंक खातों में अंतरित की जा चुकी है। प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से प्रदेश में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को नई मजबूती मिली है और छत्तीसगढ़ देश के सामने एक प्रेरणादायक मॉडल के रूप में उभर रहा है।

IIT खड़गपुर में प्रथम SPARC राष्ट्रीय सम्मेलन

खड़गपुर। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) खड़गपुर ने स्कीम फॉर प्रमोशन ऑफ एकेडमिक एंड रिसर्च कोलैबोरेशन (एसपीएआरसी) के राष्ट्रीय समन्वय के रूप में बुधवार को दो दिवसीय एसपीएआरसी राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

यह सम्मेलन शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन कोलकाता के राजारहाट स्थित आईआईटी खड़गपुर रिसर्च पार्क में आयोजित हुआ, जिसका उद्देश्य वैश्विक शैक्षणिक एवं अनुसंधान सहयोग को और सशक्त बनाना था। एसपीएआरसी कार्यक्रम से जुड़े भारतीय प्रधान अन्वेषकों (प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर), अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों और विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधियों को एक साझा मंच प्रदान किया गया, जहां परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा और अनुभवों का आदान-प्रदान किया गया। कार्यक्रम में देशभर के विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों से लगभग 400 संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं और छात्रों ने भाग लिया। सम्मेलन का उद्घाटन शिक्षा मंत्रालय के संयुक्त सचिव एमस्ट्रांग पामे ने किया। इस अवसर पर आईआईटी खड़गपुर के निदेशक प्रो. सुमन चक्रवर्ती तथा एसपीएआरसी के राष्ट्रीय समन्वयक प्रो. रबीब्रत मुखर्जी भी उपस्थित रहे।

उद्घाटन सत्र में फ्रांस के प्रतिष्ठित शिक्षाविद डेविड क्यूर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, जो ईएसपीसीआई पेरिस और इकोले पॉलीटेक्निक से जुड़े हैं। वक्ताओं ने अपने संबोधन में उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान को आगे बढ़ाने और नवाचार को प्रोत्साहित करने में सतत अंतरराष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। सम्मेलन के दौरान विभिन्न पैनल चर्चाएं, प्रस्तुतियां और संवादात्मक सत्र आयोजित किए गए, जिनमें भारतीय और अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों ने एसपीएआरसी समर्थित परियोजनाओं के क्रियान्वयन, प्रगति और उपलब्धियों से जुड़े अनुभव साझा किए। कार्यक्रम के समन्वयन में एसपीएआरसी की संयुक्त राष्ट्रीय समन्वयक प्रो. सुदेशना सरकार की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

यह सम्मेलन भारत की बढ़ती वैश्विक अनुसंधान उपस्थिति को रेखांकित करता है और युवा शोधकर्ताओं तथा नवोन्मेषकों के लिए नए अवसरों को सामने लाता है। एसपीएआरसी राष्ट्रीय सम्मेलन 2026 को अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग को आगे बढ़ाने और भारत को मजबूत वैश्विक अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

संघ की तीन दिवसीय अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा 13 मार्च से समालखा में

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की प्रतिवर्ष होने वाली तीन दिवसीय बैठक इस वर्ष 13 से 15 मार्च को हरियाणा के समालखा में आयोजित होने जा रही है। बैठक में शामिल होने के लिए संघ के सभी प्रमुख पदाधिकारी यहां पहुंच चुके हैं। प्रतिनिधि सभा की बैठक से पूर्व संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने एक प्रेस वार्ता में इसके बारे में संक्षिप्त जानकारी दी।

इस दौरान उत्तर क्षेत्र के संघचालक पवन जिंदल उनके साथ मौजूद रहे। सुनील आंबेकर ने बताया कि प्रतिनिधि सभा की बैठक शुक्रवार सुबह 9 बजे प्रारंभ होगी और रविवार शाम तक चलेगी। इस दौरान कई सत्र आयोजित किए जाएंगे।

उत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना

File No: NR-DLI0MCNW(WKPR)/12/2025-O/o Sr.DME/CORD/DLI/NR E.No. 325147

भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनकी ओर से, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर (मालभाड़ा), उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल, अनुभवी और सक्षम निविदाकर्ताओं से निम्नलिखित कार्य के लिए 'एकल पैकेट प्रणाली' (Single Packet System) पर मुहरबंद ई-निविदा आमंत्रित करते हैं।

1	कार्य का नाम	TKD यार्ड में रखरखाव सुविधाओं की मरम्मत और उन्नयन
2	कार्यस्थल	तुगलकाबाद
3	कार्य अवधि	छह महीने
4	विज्ञापित राशि	रु. 2,17,94,948.71/- (जी.एस.टी. सहित)
5	बयाना राशि	रु. 2,59,000/-
6	निविदा प्रपत्र मूल्य	शून्य
7	ई-निविदा प्रपत्र प्राप्त करने का समय	दिनांक 09.03.2026, 17:46 बजे से 06.04.2026 11:00 बजे तक
8	ई-निविदा बॉक्स बंद होने की तिथि और समय	दिनांक 06.04.2026 को 11:00 बजे
9	ई-निविदा खुलने की दिनांक एवं समय	दिनांक 06.04.2026 को 11:00 बजे, यदि खोलने की तारीख अवकाश होता है तो ई-निविदा अगले कार्य दिवस पर खोली जायेगी।
10	ई-निविदा खोलने का स्थान	मेकेनिकल विभाग, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, उत्तर रेलवे, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली – 110055

नोटः निविदा का पूरा विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in में पाया जा सकता है। 811/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

पहले चरण में एक रनवे के साथ संचालित होगा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट

सालाना 1.20 करोड़ यात्रियों की क्षमता होगी, पहले चरण में प्रतिदिन औसतन 150 उड़ानें संचालित होंगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले के जेवर क्षेत्र में बन रहा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट तेजी से अपने संचालन की ओर बढ़ रहा है। प्रदेश सरकार की इस महत्वाकांक्षी परियोजना में पहले चरण का करीब 95 प्रतिशत निर्माण कार्य संपन्न हो गया है। शेष कार्य 10 नवंबर तक पूरा कर लिया जाएगा।

प्रदेश सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि पहले चरण में एयरपोर्ट एक रनवे के साथ संचालित होगा और इसकी वार्षिक यात्री क्षमता एक करोड़ 20 लाख यात्रियों की होगी। औसतन प्रतिदिन करीब 150 उड़ानों के संचालन का अनुमान लगाया गया है। चरण में लगभग तीन हजार 300 एकड़ क्षेत्र में विकसित किए जा रहे हिस्से का लोकार्पण किया जाएगा। परियोजना के लिए कुल छह हजार 700 एकड़ भूमि का अधिग्रहण पहले ही किया जा चुका है, जबकि शेष पांच हजार 100 एकड़ भूमि अगले तीन महीनों में अधिग्रहित किए जाने की योजना है। एयरपोर्ट के लिए भूमि खरीद पर लगभग पांच हजार करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। निर्माण कार्य पर करीब सात हजार करोड़ रुपये की लागत आ रही है।

जेवर एयरपोर्ट को देश के सबसे बड़े और आधुनिक हवाई अड्डे के रूप में विकसित करने की योजना है। परियोजना के पूर्ण होने पर इस एयरपोर्ट पर कुल पांच रनवे होंगे और इसका कुल क्षेत्रफल लगभग 11 हजार 750 एकड़ तक पहुंच जाएगा। अंतिम रूप से तैयार होने के बाद एयरपोर्ट की वार्षिक यात्री क्षमता 30 करोड़ यात्रियों तक पहुंचने का अनुमान है, जिससे यह दुनिया के सबसे बड़े हवाई अड्डों में शामिल हो सकता है। परियोजना के साथ क्षेत्र में व्यापक आर्थिक और औद्योगिक विकास की भी उम्मीद जताई जा रही है। एयरपोर्ट के आसपास लॉजिस्टिक्स, पर्यटन, व्यापार और औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही बड़ी संख्या में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। प्रदेश सरकार का मानना है कि जेवर एयरपोर्ट दिल्ली-एनसीआर और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिए एक महत्वपूर्ण परिवहन केंद्र के रूप में उभरेगा। इसके संचालन से क्षेत्रीय कनेक्टिविटी मजबूत होगी और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए एक नया विकल्प उपलब्ध होगा। विशेषज्ञों के अनुसार जेवर एयरपोर्ट के शुरू होने से दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बढ़ते दबाव को भी काफी हद तक कम किया जा सकेगा। साथ ही यह परियोजना उत्तर प्रदेश को वैश्विक निवेश और व्यापार के नक्शे पर और मजबूती से स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल ने मां विंध्यवासिनी की पूजा अर्चना की

अष्टभुजा गेस्ट हाउस में दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर

मीरजापुर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार सुबह विंध्याचल पहुंचकर विश्व प्रसिद्ध शक्तिपीठ विंध्यधाम में मां विंध्यवासिनी का विधि-विधान से दर्शन-पूजन किया। उनके आगमन को देखते हुए मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए थे।

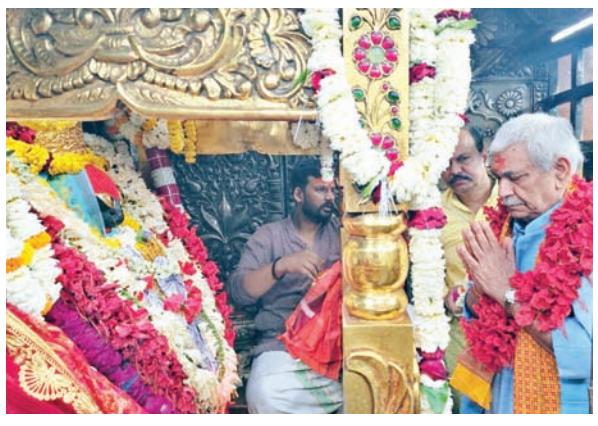

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के आज सुबह मंदिर पहुंचने पर पुजारियों और मंदिर प्रशासन की ओर से उनका स्वागत किया गया। इसके बाद उन्होंने मां विंध्यवासिनी के गर्भगृह में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा-अर्चना कर देश और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। दर्शन के दौरान उन्होंने कुछ समय तक मंदिर परिसर में रुककर मां के चरणों में माथा टेकते हुए आशीर्वाद लिया। यहां दर्शन-पूजन के बाद उपराज्यपाल मनोज सिन्हा अष्टभुजा क्षेत्र स्थित अष्टभुजा गेस्ट हाउस पहुंचे, जहां उन्हें पुलिस द्वारा औपचारिक रूप से गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस दौरान जिला प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने उन्हें जिले की व्यवस्थाओं और सुरक्षा प्रबंधों की जानकारी भी दी। उपराज्यपाल के आगमन को देखते हुए विंध्याचल क्षेत्र में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।

मंदिर परिसर और आसपास के मार्गों पर पुलिस बल तैनात रहा तथा श्रद्धालुओं की आवाजाही को व्यवस्थित ढंग से संचालित किया गया। स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं में भी उपराज्यपाल के आगमन को लेकर उत्साह देखा गया। दर्शन के बाद उन्होंने मंदिर की व्यवस्था की सराहना की और मां विंध्यवासिनी के प्रति अपनी गहरी आस्था व्यक्त की। उल्लेखनीय है कि विंध्याचल स्थित मां विंध्यवासिनी का धाम देश के प्रमुख शक्तिपीठों में से एक माना जाता है, जहां प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु दर्शन-पूजन के लिए पहुंचते हैं। विशेष अवसरों और पर्वों पर यहां भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है।

डॉक्टर के अपॉइंटमेंट के नाम पर 99 हजार की साइबर ठगी

पुलिस की सक्रियता से पूरी रकम वापस

मीरजापुर। चिकित्सक से इलाज के लिए कॉल पर अपॉइंटमेंट दिलाने के नाम पर हुई 99 हजार रुपये की साइबर ठगी के मामले में मड़िहान थाना की साइबर सेल टीम ने सराहनीय कार्रवाई करते हुए पीड़ित की पूरी धनराशि वापस करा दी। खाते में पैसा लौटने के बाद पीड़ित ने पुलिस का आभार जताया।

जानकारी के अनुसार 8 अगस्त 2025 को ग्राम मरचा निवासी श्याम नारायण सिंह पुत्र राजमणी सिंह ने एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि अज्ञात व्यक्ति ने चिकित्सक से इलाज के लिए कॉल पर अपॉइंटमेंट दिलाने का झांसा देकर उनके बैंक खाते से 99,000 रुपये की साइबर ठगी कर ली। शिकायत मिलने के बाद मड़िहान थाना की साइबर सेल टीम ने तत्काल मामले की जांच शुरू की। पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन व क्षेत्राधिकारी ऑपरेशन के नेतृत्व में टीम ने संबंधित बैंक और मर्चेंट से समन्वय स्थापित कर संदिग्ध खाते को होल्ड कराया।

पनकी डंपिंग यार्ड की जहरीली गैस से जनता को दिलाएंगे निजात : सुरेंद्र मैथानी

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर के पनकी डंपिंग यार्ड से निकल रही जहरीली गैस और लगातार सुलग रही आग से क्षेत्र की जनता का स्वास्थ्य गंभीर खतरे में है। इसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए ठोस व्यवस्था की जाएगी और जरूरत पड़ी तो मुख्यमंत्री से भी बजट दिलवाया जाएगा।

यह बातें विधायक सुरेंद्र मैथानी ने कहीं। गोविंद नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुरेंद्र मैथानी ने पनकी स्थित 'ए-टू-जेड' कूड़ा डंप स्थल का औचक दौरा कर वहां की स्थिति का जायजा लिया। डंपिंग यार्ड में कई स्थानों पर कूड़े के ढेर में सुलगती आग और उससे निकल रही जहरीली गैस को देखकर उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई। विधायक ने मौके से ही नगर आयुक्त से फोन पर बात करते हुए कहा कि केवल कागजी कार्रवाई से काम नहीं चलेगा, बल्कि धरातल पर प्रभावी परिणाम दिखने चाहिए। इस दौरान विधायक ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि डंपिंग यार्ड की बाउंड्री के चारों ओर छह बड़े ट्यूबवेल लगाए जाएं और पूरे परिसर में फायर ब्रिगेड की तर्ज पर पाइपलाइन बिछाई जाए। इन पाइपलाइनों को ट्यूबवेल से जोड़ा जाएगा, ताकि मीथेन गैस के कारण लगने वाली आग को तुरंत पानी की बौछारों से नियंत्रित किया जा सके।

विधायक मैथानी ने कहा कि डंपिंग यार्ड से निकलने वाली जहरीली गैस के कारण पनकी क्षेत्र के लाखों लोगों के साथ ही जमुई, बधुआपुर और सरायमीता गांवों के करीब 50 हजार से अधिक लोग प्रभावित हो रहे हैं। इससे बुजुर्गों, बच्चों और युवाओं के स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि यह स्थिति लंबे समय से बनी हुई है, जिसे अब खत्म करना जरूरी है। उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर पूरे प्रोजेक्ट की विस्तृत रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि यदि नगर निगम के पास बजट की कमी है तो वह स्वयं नगर विकास मंत्री और जरूरत पड़ने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से विशेष बजट स्वीकृत कराएंगे। इस दौरान नगर निगम के अधिशासी अभियंता कमलेश पटेल, अवर अभियंता दिनेश कुमार, मनीष बाजपेयी, पार्षद आरती त्रिपाठी, जीतू बाजपेयी, अरविंद गुप्ता, सौरभ, पवन सविता, सुरेंद्र मिश्रा, अनिल तिवारी, पुष्पेंद्र शुक्ला, आदर्श तिवारी, विवेक ठाकुर, सियाराम पाल और आलोक तिवारी सहित अन्य क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे।

बाल विकास परियोजना कार्यालय की छत टूटी

चार महिला कर्मचारियों की बची जान

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत जनपद में बाल विकास परियोजना बड़ौत का कार्यालय जर्जर भवन में चल रहा है। बुधवार को छत के नीचे खाना खा रही चार महिलाओं के ऊपर छत टूट गई। गनीमत रही कि महिलाओं को चोट नहीं आई है लेकिन महिलाओं ने जर्जर भवन में काम करने से इनकार कर दिया है।

बागपत जनपद का बाल विकास परियोजना कार्यालय बड़ौत जर्जर भवन में चल रहा है,जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। बुधवार को यहां काम कर रही चार महिला कर्मचारियों की जान पर बन गई। मुख्य सेविका सरिता ने बताया कि दोपहर 1:15 बजे के करीब वह खाना खा रही थी, अचानक भवन की छत टूटकर गिर गई जिसमें वह मामूली रूप से चोटिल हो गई । गनीमत रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ लेकिन हादसे से वह इतना घबरा गई है कि उन्होंने कार्यालय में काम करने से इनकार कर दिया है। बाल विकास परियोजना की मुख्य सेविका तनुजा का कहना है कि वह जर्जर भवन की शिकायत मौखिक रूप से अपनी सीडीपीओ अलका मैडम को दे चुकी हैं लेकिन आज तक उसपर कोई सुनवाई नहीं हुई है।

आज यह हादसा हमारी जान ले सकता था अगर पत्थर सर पर पड़ जाता तो ज्यादा चोट लगती। तनुजा का कहना है कि अब वह इस कार्यालय में काम नहीं करेंगी। अपनी जान सबको प्यारी होती है। उन्होंने सुरक्षित स्थान पर कार्यालय स्थानांतरण करने की मांग उठाई है।

बांदा में कई कारोबारियों-ठेकेदारों के ठिकानों पर आयकर और ईडी का छापा

बांदा। आयकर विभाग और प्रवर्तन निदेशालय की संयुक्त टीमों ने बुधवार सुबह उत्तर प्रदेश के बांदा शहर में कई बड़े कारोबारियों और ठेकेदारों के ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की है। यह कार्रवाई कथित मनी लॉन्ड्रिंग और काले धन से जुड़े मामलों की जांच के तहत की जा रही है।

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, उप आयकर निदेशक ऋषिराज सिंह के नेतृत्व में आईटी और ईडी की टीमें सुबह लगभग 8 बजे बांदा पहुंचीं और अलग-अलग स्थानों पर एक साथ कार्रवाई शुरू कर दी। टीमों ने संबंधित प्रतिष्ठानों और आवासों में मौजूद दस्तावेजों, खातों और वित्तीय लेन-देन के रिकॉर्ड की गहन जांच में जुट गई। इस कार्रवाई से शहर के बालू से जुड़े कारोबारियों में हलचल मच गई। छापेमारी के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए संबंधित स्थानों पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

जांच प्रक्रिया प्रभावित न हो, इसके लिए किसी भी व्यक्ति के अंदर आने या बाहर जाने पर फिलहाल रोक लगा दी गई है। जिन प्रमुख कारोबारियों और ठेकेदारों के यहां जांच की कार्रवाई चल रही है, उनमें बिजली विभाग के ठेकेदार हिम्मत सिंह, महाराणा प्रताप चौराहे के पास स्थित अवनी परिधि अस्पताल के संचालक अज्ञात गुप्ता, मौरंग व्यवसायी सीरज ध्वज सिंह और शिवशरण सिंह, पेट्रोल पंप व्यवसायी भाजपा नेता दिलीप सिंह तथा भाजपा नेता और पूर्व विधायक दलजीत सिंह समेत कई नाम शामिल बताए जा रहे हैं।

प्राधिकरण ने 11 बीघे में विकसित अवैध प्लाटिंग ध्वस्त की

कानपुर। कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) ने बुधवार को बिना अनुमति विकसित की जा रही अवैध कालोनियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए करीब 11 बीघे में की जा रही अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्याल और सचिव अभय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में प्रवर्तन जोन- वन बी की टीम ने की। विशेष कार्याधिकारी एवं उपजिलाधिकारी डॉ. रवि प्रताप सिंह के नेतृत्व में प्रवर्तन टीम ने ग्राम चिरान और ग्राम कटरी ख्यौरा में चल रही अवैध प्लाटिंग के खिलाफ अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान दो जेसीबी मशीनों की मदद से अवैध रूप से बनाई गई सड़कों, नालों, बाउंड्रीवाल, बिजली के खंभों, पिलरों, एंट्री गेट और अन्य निर्माणों को ध्वस्त कर दिया गया।

वाराणसी : काशी विश्वनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए लगा जर्मन हैंगर

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी स्थित श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर न्यास गंभीर है। मंदिर न्यास ने गर्मी का प्रभाव निरंतर बढ़ने के कारण श्री काशी विश्वनाथ धाम में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष प्रबंध किए हैं।

श्रद्धालुओं को गर्मी से राहत प्रदान करने के उद्देश्य से धाम में जर्मन हैंगर की व्यवस्था की गई है, ताकि दर्शन के लिए प्रतीक्षा कर रहे श्रद्धालुओं को धूप और गर्मी से किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस व्यवस्था के माध्यम से श्रद्धालु बिना किसी कष्ट के भगवान श्री विश्वेश्वर का शांतिपूर्वक दर्शन कर सकेंगे। ग्रीष्म ऋतु के प्रारंभ के साथ ही श्रद्धालुओं की संख्या तथा कतार की लंबाई बढ़ने की संभावना को ध्यान में रखते हुए यह व्यवस्था की गई है। मंदिर के सीईओ डॉ विश्वभूषण मिश्र ने बुधवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि धाम में विशेष रूप से यह सुनिश्चित किया गया है कि कतार में खड़े श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। यदि श्रद्धालुओं के साथ छोटे बच्चे या बुजुर्ग भी हों, तो उन्हें भी आरामपूर्वक प्रतीक्षा करने और दर्शन करने में कोई कठिनाई न हो। इसी उद्देश्य से यह व्यवस्था लागू की गई है। बताया गया कि श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षित दर्शन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

सीएम की सख्ती : पेट्रोल-डीजल और गैस सिलेंडर की आपूर्ति सामान्य करने फील्ड में उतरे अधिकारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सख्त दिशा निर्देश के बाद प्रदेश में एलपीजी गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रशासनिक अमला सक्रिय हो गया है। कई जिलों में प्रशासन ने एलपीजी गैस आपूर्ति से जुड़ी शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए विशेष कॉल सेंटर स्थापित किया है। उधर कई जिलों में गैस बुकिंग में तकनीकी दिक्कतों की समस्याएं दूर की जा रही हैं ताकि उपभोक्ता गैस सिलेंडर को लेकर ज्यादा चिंतित न हों।

ईरान–इजराइल युद्ध के बीच वैश्विक स्थिति में पेट्रोल-डीजल और गैस सिलेंडर को लेकर उपभोक्ताओं की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है। समय से घरेलू गैस की उपलब्धता के लिए राजधानी समेत प्रदेश के बडे. शहरों में कई गैस एजेंसियों के सामने कतार लगी दिख रही है। इसके बावजूद स्थिति पूरी तरह से सामान्य बनायी जा रही है और उपभोक्ताओं को उनकी जरूरत के हिसाब से उपलब्धता हो रही है। हालांकि कामर्शियल गैस सिलेंडर को लेकर समस्याएं आ रही हैं और होटल व कैटरिंग के व्यवसाय से जुडे.लोगों को जरूरत के हिसाब से सिलेंडर कम मिल रहे हैं। स्थितियां बिगड़तीं, इससे पहले ही मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के साथ कानून व्यवस्था की समीक्षा करने के साथ-साथ पेट्रोल-डीजल और गैस सिलेंडर की उपलब्धता की जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट किया था कि प्रदेश में कहीं भी पेट्रोल और डीजल की कमी नहीं है। आपूर्ति और वितरण सामान्य है। मुख्यमंत्री योगी ने अधिकारियों से कहा कि कहीं भी किसी प्रकार की घबराहट या कृत्रिम संकट की स्थिति न बनने पाए। अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

मुख्यमंत्री योगी ने यह भी निर्देश दिए हैं कि प्रदेश में खाद्य एवं रसद विभाग के अधिकारी फील्ड में उतर कर निरीक्षण कर जमाखोरी और कालाबाजारी पर कड़ी निगरानी रखें। गड़बड़ी मिलने पर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री की सख्ती का असर दिखने लगा है। प्रशासनिक अधिकारी पेट्रोल-डीजल और गैस सिलेंडर की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। स्थिति काफी सामान्य है और पेट्रोल-डीजल की भरपूर उपलब्धता है। जबकि गैस सिलेंडर की बुकिंग अवधि 21 दिन से बढ़ाकर 25 दिन किए जाने से आपूर्ति में थोड़ा समय लग रहा है। हमीरपुर जिले में कुछ पेट्रोल पंपों में त्योहारों के कारण पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति कम होने से दिक्कत आई थी। अब स्थिति पूरी तरह से सामान्य है। गोरखपुर, प्रयागराज और वाराणसी जैसे बड़े शहरों के अलावा आजमगढ़ और हापुड़ में गैस सिलेंडर को लेकर लोग शिकायत कर रहे हैं। उपभोक्ता गैस एजेंसियों के कार्यालय भी पहुंच रहे हैं।

कानपुर के अपर जिलाधिकारी (नागरिक आपूर्ति) राजेश कुमार ने बुधवार को बताया कि उपभोक्ता 0512-2988763 नंबर पर कॉल कर एलपीजी गैस आपूर्ति से संबंधित शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इसके अलावा 6394616122 मोबाइल नंबर भी जारी किया गया है, जिस पर लोग गैस वितरण में अनियमितता, अधिक कीमत वसूली या कालाबाजारी से जुड़ी जानकारी दे सकते हैं।

अपर जिलाधिकारी ने बताया कि यह मोबाइल नंबर व्हाट्सएप से भी जुड़ा हुआ है, जिससे उपभोक्ता फोटो या अन्य साक्ष्यों के साथ शिकायत भेज सकते हैं। कॉल सेंटर पर प्राप्त होने वाली सभी शिकायतों और सूचनाओं पर संबंधित विभाग द्वारा तत्काल जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में गैस की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और किसी भी तरह की कमी नहीं है। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और यदि कहीं गैस की कालाबाजारी या अनियमितता की जानकारी मिले तो तुरंत जारी किए गए नंबरों पर शिकायत दर्ज कराएं।

जल जीवन मिशन से ग्रामीण क्षेत्रों को मिल रहा स्वच्छ पेयजल: गुड़िया कठेरिया

औरैया। उत्तर प्रदेश के जनपद औरैया के विकास खंड सदर की ग्राम पंचायत जलोखर एवं भडारीपुर में जल अपर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक गुड़िया कठेरिया रहीं। कार्यक्रम में जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चल रही योजनाओं की जानकारी दी गई।

इस अवसर पर जिला पंचायत राज अधिकारी श्रीकांत यादव, अधिशासी अभियंता जल निगम (ग्रामीण) इंजी अमन यादव, पवन कुमार सहायक अभियंता एवं पंकज कुमार,सहायक अभियंता रविकांत जूनियर इंजीनियर सहित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। इसके अलावा फर्म के प्रतिनिधि अशोक गुर्जर, देवेंद्र सिंह, टीपीआई एवं डीपीएमयू टीम, एफटीके महिलाएं, ग्राम प्रधान, विद्यालय के छात्र-छात्राएं तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि जलोखर पेयजल योजना के अंतर्गत 445 क्रियाशील गृह संयोजन तथा भडारीपुर पेयजल योजना के अंतर्गत 407 क्रियाशील गृह संयोजन किए जा चुके हैं।

इन योजनाओं के माध्यम से गांव में सुबह और शाम क्लोरीनयुक्त स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति की जा रही है, जिससे ग्रामीणों को शुद्ध पानी उपलब्ध हो रहा है। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने जल संरक्षण तथा स्वच्छ पेयजल के महत्व पर भी प्रकाश डाला और ग्रामीणों से जल का सदुपयोग करने की अपील की।

खाड़ी क्षेत्र में संकट के कारण टी20 वर्ल्ड कप टीमों की वापसी में देरी: आईसीसी

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने खाड़ी क्षेत्र में तनाव के कारण टी20 विश्व कप के बाद घर वापस न लौट पाने वाले खिलाड़ियों के प्रति सहानुभूति व्यक्त की और उन सुझावों को 'अनुपयोगी और गलत' करार दिया जिनमें कहा गया है कि खिलाड़ियों की सुरक्षा और हितों को ध्यान में रखे बिना फैसले लिए गए। अमेरिका और इजरायल के ईरान पर किए गए हमले के बाद खाड़ी क्षेत्र में हवाई क्षेत्र बंद कर दिया गया है, जिससे उड़ानों का कार्यक्रम अस्त-व्यस्त हो गया। आईसीसी ने कहा कि वह भारत में फंसे खिलाड़ियों विशेषकर वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों के प्रति सहानुभूति रखती है लेकिन स्पष्ट किया कि वैकल्पिक यात्रा मार्गो की योजना बनाते समय खिलाड़ियों की सुरक्षा और हितों को ध्यान में रखा जा रहा है। आईसीसी ने यात्रा कार्यक्रम का विवरण देते हुए कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी बुधवार की रात को स्वदेश रवाना होना शुरू कर देंगे और उम्मीद है कि उसकी टीम के सभी सदस्य अगले 36 घंटों के भीतर रवाना हो जाएंगे। आईसीसी ने बताया कि वेस्टइंडीज टीम के नौ सदस्य पहले ही अपने देशों के लिए रवाना हो चुके हैं, जबकि बाकी 16 सदस्यों के लिए अगले

24 घंटों के भीतर भारत से रवाना होने वाली उड़ानों में बुकिंग करा ली गई है। आईसीसी ने वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका की टीमों के लिए मंगलवार को अलग-अलग वाणिज्यिक उड़ानों की बुकिंग की, क्योंकि कोलकाता से उड़ान भरने वाली उनकी चार्टर उड़ान 'लॉजिस्टिक' समस्याओं के कारण रद्द कर दी गई थी। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने आईसीसी की आलोचना की थी, जबकि दक्षिण अफ्रीका के स्टार खिलाड़ी डेविड मिलर ने संकेत दिया कि इंग्लैंड के खिलाड़ियों के लिए बेहतर यात्रा व्यवस्था की गई थी, क्योंकि वे सेमीफाइनल से बाहर होने के एक दिन के भीतर ही रवाना हो गए थे। इससे पहले वेस्टइंडीज के कोच डैरेन सैमी ने आईसीसी से कोई अपडेट न मिलने पर निराशा व्यक्त की थी। आईसीसी ने किसी का नाम लिए बिना पलटवार किया। क्रिकेट की विश्व संस्था ने कहा, ''आईसीसी इस बात को पूरी तरह से खारिज करती है कि ये निर्णय सुरक्षा, व्यवहार्यता और खिलाड़ियों के हितों से इतर किसी अन्य कारण से लिए गए हैं। विभिन्न मीडिया प्लेटफॉर्मों पर स्थिति से अनभिज्ञ लोग जो सुझाव दे रहे हैं वे अनुपयोगी और गलत हैं।'' इसमें आगे कहा गया है, ''दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के मामले में की गई व्यवस्था का इंग्लैंड या किसी अन्य देश के लिए पहले की गई व्यवस्था से कोई लेना देना नहीं है। यह व्यवस्था अलग-अलग परिस्थितियों, मार्ग विकल्पों और अलग-अलग यात्रा स्थितियों पर आधारित थी।'' दोनों टीमों ने कोलकाता में (वेस्टइंडीज ने सुपर आठ में एक मार्च को और दक्षिण अफ्रीका ने चार मार्च को सेमीफाइनल में) अपने अंतिम मैच खेले। आईसीसी का एयरलाइंस साझेदार एमिरेट्स है और दुबई के हवाई क्षेत्र के बंद होने के कारण वह भी परिचालन करने में असमर्थ हैं। आईसीसी ने कहा, ''हम समझते हैं कि आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ी, कोच, सहयोगी स्टाफ और उनके परिजन घर लौटने के लिए उत्सुक हैं। उनका अभी तक स्वदेश नहीं लौट पाना वास्तव में निराशाजनक है और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद भी इस निराशा में उनके साथ है।'' विश्व संस्था ने कहा, ''यह देरी खाड़ी क्षेत्र में चल रहे संकट का सीधा परिणाम है, जिसके कारण अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा में व्यापक और निरंतर व्यवधान उत्पन्न हुआ है। हवाई क्षेत्र का बंद होना, मिसाइल चेतावनी, मार्ग परिवर्तन संबंधी प्रतिबंध के साथ ही वाणिज्यिक और चार्टर उड़ानों का अचानक रद्द होना और पुनर्निर्धारित होना शामिल है। ये परिस्थितियां पूरी तरह से आईसीसी के नियंत्रण से बाहर हैं। इसके कारण यात्रा कार्यक्रम तैयार करना मुश्किल हो गया था और इसमें अधिक समय लगा।'' आईसीसी ने कहा कि वह खिलाड़ियों की सुरक्षित घर वापसी सुनिश्चित करने के लिए टूर ऑपरेटरों और एयरलाइंस के साथ लगातार संपर्क में है। आईसीसी ने कहा, ''इस पूरी अवधि के दौरान आईसीसी की सर्वोच्च प्राथमिकता सभी प्रभावित लोगों की सुरक्षा और उनके हितों की रक्षा करना रहा है। इनमें अपने जीवनसाथी और छोटे बच्चों के साथ यात्रा करने वाले खिलाड़ी भी शामिल हैं। जब तक हम यह सुनिश्चित नहीं कर लेते कि यात्रा पूरी तरह से सुरक्षित है, तब तक हम लोगों को स्थानांतरित नहीं करेंगे और हम इसके लिए प्रतिबद्ध हैं।'' आईसीसी ने संबंधित क्रिकेट बोर्डों और खिलाड़ियों से धैर्य बनाए रखने का भी आग्रह किया, क्योंकि वह खाड़ी में बदलती स्थिति के बीच सर्वोत्तम संभव समाधान निकालने के लिए काम कर रहा है। आईसीसी ने कहा, ''हमारी टीमें चौबीसों घंटे काम कर रही हैं और परिस्थितियों में हो रहे बदलावों के अनुसार टीम मैनेजरों के साथ लगातार संपर्क में हैं। हम आगे की स्थिति को लेकर आपको अपडेट देते रहेंगे।'

'कबड्डी के चाणक्य' रणधीर सिंह सेहरावत बने गुजरात जायंट्स के मुख्य कोच

अहमदाबाद। अदाणी स्पोर्ट्सलाइन ने आगामी प्रो कबड्डी लीग सत्र से पहले अनुभवी कोच रणधीर सिंह सेहरावत को गुजरात जायंट्स का मुख्य कोच नियुक्त किया है। 'कबड्डी के चाणक्य' के नाम से प्रसिद्ध सेहरावत लीग के सबसे अनुभवी कोचों में गिने जाते हैं। वह वर्ष 2014 में शुरू हुई प्रो कबड्डी लीग से ही इससे जुड़े रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में टीमों ने एक बार खिताब जीता है और छह बार प्लेऑफ में जगह बनाई है। अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित सेहरावत के पास कबड्डी

का लंबा अनुभव है। उन्होंने भारतीय रेल कबड्डी टीम के कोच के रूप में पुरुष और महिला दोनों टीमों को कई राष्ट्रीय चैंपियनशिप खिताब दिलाए हैं। खिलाड़ी के रूप में भी सेहरावत का करियर शानदार रहा है। उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कबड्डी टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया, जिनमें एशियाई कबड्डी चैम्पियनशिप 1988, दक्षिण एशियाई खेल 1989 और एशियाई खेल 1990 शामिल हैं। 1990 के एशियाई खेलों में वह उपकप्तान के रूप में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे थे। अपनी नियुक्ति पर रणधीर सिंह सेहरावत ने कहा कि वह एक बार फिर प्रो कबड्डी लीग में वापसी कर बेहद खुश हैं और इस अवसर के लिए अदाणी स्पोर्ट्सलाइन के आभारी हैं। उन्होंने कहा कि गुजरात जायंट्स के पास युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है और वह टीम के साथ मिलकर खिताब जीतने के लक्ष्य की ओर काम करेंगे। अदाणी स्पोर्ट्सलाइन के मुख्य व्यवसाय अधिकारी संजय अडेसरा ने कहा कि रणधीर सिंह सेहरावत जैसे अनुभवी कोच का टीम से जुड़ना गुजरात जायंट्स के लिए बड़ी उपलब्धि है। उनका अनुभव और खेल की गहरी समझ टीम को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाएगी। सेहरावत की नियुक्ति के साथ ही अदाणी स्पोर्ट्सलाइन ने स्पष्ट कर दिया है कि वह आगामी प्रो कबड्डी लीग सत्र के लिए गुजरात जायंट्स को एक मजबूत और प्रतिस्पर्धी टीम के रूप में तैयार करने पर ध्यान दे रहा है।

मैनी 2026 में भी एचआरटी फोर्ड रेसिंग के साथ बने रहेंगे

नई दिल्ली। भारतीय ड्राइवर अर्जुन मैनी 2026 के डीटीएम सत्र में भी एचआरटी फोर्ड रेसिंग टीम के साथ बने रहेंगे। टीम ने बुधवार को यह घोषणा की। मैनी एचआरटी फोर्ड रेसिंग के प्रमुख ड्राइवरों में से एक हैं। टीम फोर्ड मस्टैंग जीटी3 ईवीओ के साथ डीटीएम के नए सत्र के लिए तैयार है। फोर्ड रेसिंग के ड्राइवर मैनी के पास डीटीएम का व्यापक अनुभव है और वह टीम के अभिन्न अंग बने हुए हैं। मैनी डीटीएम के नए सत्र में जिस नंबर 36 फोर्ड मस्टैंग जीटी3 ईवीओ को चलाएंगे वह एक 'अपडेटेड रेवेनोल डिजाइन' कार होगी। इस 28 वर्षीय भारतीय ड्राइवर ने एचआरटी के साथ 78 डीटीएम रेस में भाग लिया है। इनमें से वह तीन बार पोडियम पर पहुंचे जबकि एक बार उन्होंने पोल पोजीशन हासिल की।

फीफा को उम्मीद, विश्व कप फुटबॉल में भाग लेगा ईरान

मियामी। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने कहा कि उसे उम्मीद है कि ईरान की राष्ट्रीय टीम को अमेरिका आने और लगभग तीन महीने में शुरू होने वाले विश्व कप में खेलने की अनुमति दी जाएगी, भले ही दोनों देशों के बीच युद्ध जारी हो। ईरान की टीम विश्व कप के ग्रुप चरण में अपने सभी मैच अमेरिका में खेलेगी। उसकी टीम 15 जून को कैलिफोर्निया के इंगलेवुड में न्यूजीलैंड और 21 जून को बेल्जियम के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद वह 26 जून को सिएटल में मिस्र के खिलाफ ग्रुप चरण का अपना आखिरी मैच खेलेगी। विश्व कप 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में खेला जाएगा। ईरान के फुटबाल महासंघ के अधिकारियों ने हाल ही में संकेत दिया था कि युद्ध के कारण उनके देश का विश्व कप में खेलना संदिग्ध है। फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने कहा कि उन्होंने मंगलवार की रात को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से टूर्नामेंट की तैयारियों की स्थिति पर चर्चा करने के लिए मुलाकात की। ट्रंप ने उन्हें आश्वासन दिया कि ईरान की टीम को अमेरिका आने की अनुमति दी जाएगी। इन्फेंटिनो ने कहा, ''हमने ईरान की मौजूदा स्थिति और इस तथ्य पर भी चर्चा की कि ईरान की टीम ने फीफा विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। चर्चा के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने दोहराया कि ईरान की टीम का अमेरिका में विश्व कप में भाग लेने के लिए निश्चित रूप से स्वागत है।

ऑस्ट्रेलिया ने ईरान की महिला फुटबॉल टीम की दो और सदस्यों को शरण दी

गोल्ड कोस्ट (ऑस्ट्रेलिया)। ऑस्ट्रेलिया के गृह मंत्री टोनी बर्क ने बुधवार को कहा कि ईरान की महिला फुटबॉल टीम की दो और सदस्यों को ऑस्ट्रेलिया में शरण दी गई है। बर्क ने कैनबरा में पत्रकारों को बताया कि ईरान की पांच खिलाड़ियों को पहले ही मानवीय आधार पर वीजा दिया गया था। अब इन महिला सदस्यों की संख्या बढ़कर सात हो गई है। उन्होंने कहा कि टीम की जिन नयी दो सदस्यों को शरण दी गई है उनमें एक खिलाड़ी और एक सहयोगी स्टाफ की सदस्य है। इन दोनों ने उनकी टीम के अन्य सदस्यों को हवाई अड्डा ले जाने से पहले ही शरण मांगी थी।

टीम के बाकी सदस्य सिडनी से ईरान जाने वाली उड़ान में मंगलवार देर रात सवार हुए। इस बीच टीम के होटल और हवाई अड्डे पर विरोध प्रदर्शन हुए। ईरानी मूल के

ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों ने ईरान में टीम की सुरक्षा को लेकर आशंका जताते हुए महिलाओं को देश छोड़ने से रोकने की कोशिश की। टीम के रवाना होने से पहले भी महिला खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के सदस्यों के सामने शरण की पेशकश की गई थी। ईरान युद्ध शुरू होने से ठीक पहले पिछले महीने एएफसी महिला एशियाई कप में भाग लेने के लिए ईरानी टीम ऑस्ट्रेलिया पहुंची थी। उसकी टीम टूर्नामेंट से जल्द बाहर हो गई जिसके बाद टीम को अपने देश लौटना था जहां युद्ध के कारण हालात खराब हैं। ऑस्ट्रेलिया का दौरा करने वाली ईरान की टीम में 26 खिलाड़ी तथा सहयोगी स्टाफ के सदस्य शामिल थे। बर्क ने कहा कि टीम के सभी सदस्यों को शरण का प्रस्ताव दिया गया था। ऑस्ट्रेलिया सरकार ने बुधवार को यह खुलासा किया कि उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए अंतिम प्रयास किए कि टीम का प्रत्येक सदस्य शरण लेने के प्रस्ताव पर विचार कर सके।

बर्क ने कहा कि जब महिलाएं सुरक्षा जांच से गुजर रही थीं तो उन्हें ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों और दुभाषियों से बात करने के लिए व्यक्तिगत रूप से अलग ले जाया गया। उन्होंने कहा, ''ऑस्ट्रेलिया ने यह प्रस्ताव इसलिए दिया क्योंकि हम इन महिलाओं से व्यक्तिगत रूप से बहुत प्रभावित हैं। ऑस्ट्रेलिया ने जो विकल्प दिया है, उस पर अमल करना आपका फैसला है। यह एक ऐसा विकल्प है जिस पर हर व्यक्ति का अधिकार होना चाहिए।'' ऑस्ट्रेलिया में ईरानी समूहों और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऑस्ट्रेलिया की सरकार से उन महिलाओं की मदद करने का आग्रह किया था, जो सार्वजनिक रूप से शरण नहीं मांग पा रही हैं। टीम की खिलाड़ियों ने अपने शुरुआती मैच से पहले ईरान का राष्ट्रगान नहीं गाया था जिसके बाद कई तरह की अटकलें लगाई जाने लगी थी।

ईरान के सरकारी टीवी के अनुसार देश के फुटबाल महासंघ ने इसे ट्रंप का 'फुटबॉल में प्रत्यक्ष राजनीतिक हस्तक्षेप' करार देते हुए अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल संस्थाओं से इसकी समीक्षा करने का अनुरोध किया था। उसने चेतावनी दी है कि इस तरह की कार्रवाई से अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में 11 जून से शुरू होने वाले विश्व कप में व्यवधान पड़ सकता है।

कारोबार

संक्षिप्त खबरें

सेडेमैक मेकाट्रॉनिक्स का शेयर 13.5 % की बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली। पावरट्रेन कंट्रोल एवं मोटर वाहन कलपुर्जे बनाने वाली कंपनी सेडेमैक मेकाट्रॉनिक्स लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 1352 के मुकाबले 13.5 प्रतिशत की बढ़त के साथ बुधवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर ने 1,510 रुपये पर कारोबार शुरू जो निर्गम मूल्य से 11.68 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। बाद में, इसमें 19.34 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,613.50 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर शेयर 13.53 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,535 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 6,825.38 करोड़ रुपये रहा। सेडेमैक मेकाट्रॉनिक्स लिमिटेड के आईपीओ को बोली के अंतिम दिन गत शुक्रवार को 2.68 गुना अभिदान मिला था। आईपीओ का मूल्य दायरा 1,287-1,352 रुपये प्रति शेयर था। आईपीओ में कोई नया निर्गम शामिल नहीं था। यह पूरी तरह से बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित था जिसमें कुल 80,43,300 शेयर बेचे गए। पुणे स्थित सेडेमैक मेकाट्रॉनिक्स.. भारत, अमेरिका तथा यूरोप के परिवहन एवं औद्योगिक बाजारों में मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओईएम) को महत्वपूर्ण इलेक्ट्रॉनिक नियंत्रण इकाइयों (ईसीयू) की आपूर्ति करती है। इसके ग्राहकों में टीवीएस मोटर कंपनी, बजाज ऑटो, किर्लोस्कर ऑयल इंजन्स, ब्रिग्स एंड स्ट्रैटन एलएलसी और डीईआईएफ इंडिया शामिल हैं।

मेटा प्लेटफॉर्म्स 'मोल्टबुक' का करेगी अधिग्रहण

लॉस एंजिलिस (अमेरिका)। मेटा प्लेटफॉर्म्स ने 'मोल्टबुक' का अधिग्रहण करने की योजना की जानकारी दी है। 'मोल्टबुक', एक ऐसा सामाजिक नेटवर्क है जिसे विशेष रूप से कृत्रिम मेधा एजेंट के लिए बनाया गया है, जहां वे संदेश प्रकाशित कर सकते हैं और एक-दूसरे के साथ बातचीत कर सकते हैं। सोशल मीडिया मंच फेसबुक एवं इंस्टाग्राम की मूल कंपनी ने मंगलवार को इस योजना की जानकारी दी। यह घोषणा ऐसे समय की गई है जब कुछ सप्ताह पहले 'मोल्टबुक' एआई प्रणालियों के बीच बातचीत करने वाले एक असामान्य मंच के रूप में चर्चा में आ गया था। मेटा का यह कदम प्रौद्योगिकी उद्योग में कृत्रिम मेधा एजेंट को लेकर बढ़ती रुचि को दर्शाता है। इन एजेंट से अपेक्षा की जा रही है कि वे साधारण संवाद कार्यक्रम से आगे बढ़कर लोगों की ओर से काम करने एवं विभिन्न कार्य संपन्न करने में सक्षम होंगे। मेटा ने बयान में कहा कि मोल्टबुक ने '' तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्र '' में कई नए विचार प्रस्तुत किए हैं।

अमेरिका में नई तेल रिफाइनरी में निवेश करेगी रिलायंस इंडस्ट्रीज: ट्रंप

वॉशिंगटन/नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि भारतीय उद्योगपति मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज अमेरिका में 50 वर्ष में स्थापित की जा रही पहली नई तेल रिफाइनरी के निर्माण में भागीदार होगी। उन्होंने इसे ''अमेरिकी इतिहास की सबसे बड़ी'' रिफाइनरी बताया है। इस परियोजना का संचालन कर रही कंपनी अमेरिका फर्स्ट रिफाइनिंग (एएफआर) के अनुसार, नई रिफाइनरी टेक्सास के ब्राउनस्विले में स्थित होगी और इसे पूरी तरह से अमेरिकी 'शेल' तेल पर चलने के लिए तैयार किया जाएगा।

रिलायंस ने रिफाइनरी में उत्पादित ईंधन खरीदने के लिए 20 साल के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस परियोजना की शुरुआत 2026 की दूसरी तिमाही में होने की संभावना है। ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच पर मंगलवार को एक संदेश में इसे ''300 अरब अमेरिकी डॉलर का ऐतिहासिक समझौता'' बताते हुए कहा कि यह परियोजना उनके प्रशासन के ''अमेरिका फर्स्ट एजेंडा'' के

कारण संभव हो रही है। रिलायंस की ओर से इस पर अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की गई है। रिफाइनरी का निर्माण पूरा होने पर 1977 में चालू हुई मैराथन की गैरीविले रिफाइनरी (लुइसियाना) के बाद यह अमेरिका में पहली नई बड़ी शोधन इकाई होगी। ट्रंप और एएफआर दोनों ने ही परियोजना के वित्तीय विवरण या इसके पूरा होने की समयसीमा के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। यह रिलायंस द्वारा अमेरिका में निर्मित की जाने वाली पहली तेल रिफाइनरी होगी।

रिलायंस गुजरात के जामनगर में दुनिया के सबसे बड़े रिफाइनिंग परिसर का संचालन करती है जिसकी कच्चे तेल को संसाधित करने की क्षमता 12 लाख बैरल है। 'अमेरिका फर्स्ट रिफाइनिंग' ने रिलायंस के नाम का उल्लेख किए बिना कहा कि '' उसने उसी वैश्विक ऊर्जा कंपनी के साथ 20 वर्ष के लिए बाध्यकारी आपूर्ति समझौते का प्रारूप भी तैयार किया है, जिसके तहत अमेरिका में उत्पादित ऊर्जा, जो पूरी तरह 'अमेरिकी शेल' तेल से प्राप्त होगी...की खरीद, प्रसंस्करण और वितरण के लिए प्रतिबद्धता सुनिश्चित की गई है।'' बयान में कहा गया कि नए समझौते के तहत 125 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के 1.2 अरब बैरल अमेरिकी हल्के 'शेल' तेल की खरीद एवं प्रसंस्करण किया जाएगा। साथ ही, एएफआर 175 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के 50 अरब गैलन परिष्कृत उत्पादों का उत्पादन करेगा। इसमें कहा गया, '' अमेरिका का व्यापार असंतुलन 300 अरब अमेरिकी डॉलर तक सुधरेगा।'' गौरतलब है कि फेसबुक तथा गूगल जैसी कंपनियां अंबानी की डिजिटल इकाई जियो प्लेटफॉर्म्स में निवेश कर चुकी हैं जबकि जनरल अटलांटिक जैसे अमेरिकी निवेशकों ने रिलायंस रिटेल वेंचर्स में अल्पसंख्यक हिस्सेदारी हासिल की है।

एआई से इतिहास का सबसे बड़ा अवसंरचना निर्माण शुरू, खरबों डॉलर निवेश की जरूरत: जेनसन हुआंग

नई दिल्ली। अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनी एनवीडिया के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जेनसन हुआंग ने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) मानव इतिहास में '' सबसे बड़े अवसंरचना निर्माण '' को गति दे रही है, जिसके लिए खरबों डॉलर के निवेश की आवश्यकता होगी और कुशल श्रमिकों की भारी मांग उत्पन्न होगी। हुआंग ने हाल ही में प्रकाशित एक ब्लॉग लेख में कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) अब केवल एक साधारण अनुप्रयोग या एकल मॉडल तक सीमित नहीं रही है, बल्कि इसे बिजली एवं इंटरनेट की तरह एक आवश्यक अवसंरचना के रूप में देखना चाहिए। उन्होंने लिखा, '' हमने अभी इस निर्माण की शुरुआत ही की है। अब तक इसमें कुछ सौ अरब डॉलर का निवेश हुआ है, जबकि अब भी खरबों डॉलर की अवसंरचना तैयार की जानी बाकी है। दुनिया भर में अभूतपूर्व स्तर पर चिप कारखाने, कंप्यूटर 'असेंबल' संयंत्र और कृत्रिम मेधा (एआई) कारखाने बनाए जा रहे हैं। यह मानव इतिहास का सबसे बड़ा अवसंरचना निर्माण बनता जा रहा है।'' हुआंग ने कृत्रिम मेधा (एआई) का ''पांच परतों वाले ढांचे'' के रूप उल्लेख किया जिसमें ऊर्जा, चिप, अवसंरचना, मॉडल और अनुप्रयोग शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ऊर्जा इसकी आधारभूत परत है और यह इस बात की प्रमुख सीमा तय करती है कि कोई प्रणाली कितनी बुद्धिमत्ता उत्पन्न कर सकती है। एनवीडिया प्रमुख ने कहा कि यह विशाल औद्योगिक बदलाव पारंपरिक प्रौद्योगिकी क्षेत्र के बाहर भी बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन करेगा। उन्होंने कहा, '' इस निर्माण को समर्थन देने के लिए श्रम की जरूरत बहुत अधिक है। कृत्रिम मेधा (एआई) कारखानों को बिजली मिस्त्री, प्लंबर, पाइप फिट करने वाले कारीगर, इस्पात कर्मी, नेटवर्क तकनीशियन, संयोजन करने वाले कर्मचारी और संचालक चाहिए होंगे। ये सभी कुशल और अच्छे वेतन वाली नौकरियां हैं, जिनकी अभी कमी है। इस बदलाव में भाग लेने के लिए कंप्यूटर विज्ञान में पीएचडी करने की आवश्यकता नहीं है।

गूगल ने भारत में क्रोम के लिए नई अंतर्निहित एआई सुविधाओं की घोषणा की, 8 भारतीय भाषाओं में करेंगी काम

नई दिल्ली। गूगल ने भारत में उपयोगकर्ताओं के लिए 'गूगल क्रोम' में अंतर्निहित कृत्रिम मेधा (एआई) सुविधाओं को जोड़ने की बुधवार को घोषणा की। कंपनी ने कहा कि इससे इंटरनेट पर खोज का अनुभव उपयोगकर्ताओं के लिए अधिक सहज, सुरक्षित एवं उपयोगी बनेगा। ये 50 से अधिक भाषाओं में उपलब्ध होंगी जिनमें हिंदी, बंगाली, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, मराठी, तेलुगु और तमिल जैसी भारतीय भाषाएं भी शामिल हैं। कंपनी ने बुधवार को बयान में कहा, '' गूगल आज क्रोम की कई नवीनतम कृत्रिम मेधा सुविधाओं (जिनमें क्रोम में जेमिनी भी शामिल है) को भारत के उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध कराने की घोषणा करता है।'' इसमें कहा गया कि ये सुविधाएं कंपनी के नवीनतम जेमिनी 3.1 मॉडल पर आधारित हैं। इनका उद्देश्य लोगों को जानकारी अधिक प्रभावी ढंग से खोजने और समझने में सहायता देना है। ये सुविधाएं पहले डेस्कटॉप और आईओएस पर उपलब्ध होंगी। क्रोम की उत्पाद प्रबंधन निदेशक शारमेन डिसिल्वा ने कहा, '' क्रोम में सीधे कृत्रिम मेधा जोड़कर हमारा लक्ष्य इंटरनेट सेवा को और अधिक सहज, सुरक्षित एवं

उपयोगी बनाना है ताकि उपयोगकर्ताओं को अधिक सक्रिय एवं बेहतर अनुभव मिल सके। हमें खुशी है कि अमेरिका के बाद भारत उन शुरुआती बाजारों में से एक है जहां यह बदलाव देखने को मिलेगा जो कृत्रिम मेधा एवं उभरती प्रौद्योगिकियों के भविष्य को आगे बढ़ाने में देश की उत्सुकता तथा क्षमता को दर्शाता है।

फोनपे ने सार्वजनिक परिवहन के लिए पेश किया 'ऑन-द-गो' कार्ड, इंटरनेट के बिना होगा भुगतान

नई दिल्ली। डिजिटल भुगतान एवं वित्तीय सेवा मंच फोनपे ने 'फोनपे रूपे ऑन-द-गो कार्ड' पेश करने की घोषणा की है। यह एक राष्ट्रीय सार्वजनिक परिवहन कार्ड (एनसीएमसी) है। यह पहल भारत के 'एक देश एक कार्ड' दृष्टिकोण की दिशा में अहम कदम है जिसका उद्देश्य पूरे देश में सार्वजनिक परिवहन के भुगतान को डिजिटलीकृत करना है। फोनपे का 'ऑन-द-गो' कार्ड उपयोगकर्ताओं की रोजाना यात्रा को सरल बनाने के लिए तैयार किया गया है और यह एक एकीकृत परिवहन कार्ड के रूप में काम करता है। इससे मेट्रो, बस, ट्रेन, टोल और पार्किंग जैसी सभी एनसीएमसी-सक्षम सेवाओं पर त्वरित 'स्पर्श कर भुगतान' (टैप एंड पे) के माध्यम से लेन-देन किया जा सकेगा। इस कार्ड की एक प्रमुख विशेषता यह है कि इसे तुरंत जारी किया जा सकता है जिससे लाखों यात्रियों के लिए सुविधा बढ़ेगी। यह कार्ड अग्रिम-भुगतान आधारित संग्रहित मूल्य मॉडल पर काम करता है जिसमें राशि सीधे कार्ड की चिप में एकत्रित रहती है। इस व्यवस्था के कारण इंटरनेट के बिना भी इससे भुगतान संभव होगा। उपयोगकर्ता इस कार्ड में अधिकतम 2,000 रुपये तक की राशि जमा कर सकते हैं जबकि एक बार में बिना इंटरनेट के भुगतान की अधिकतम सीमा 500 रुपये है। फोनपे में भुगतान विभाग के प्रमुख दीप अग्रवाल ने कहा, '' हम फोनपे 'ऑन-द-गो' कार्ड पेश करने को लेकर उत्साहित हैं जिसका लक्ष्य उन करोड़ों उपभोक्ताओं को सुविधा देना है जो रोजाना सार्वजनिक परिवहन से यात्रा करते हैं। यह कार्ड देशभर में परिवहन सेवाओं पर त्वरित 'टैप एंड पे' की सुविधा देता है। उन्होंने कहा, '' यह कार्ड इंटरनेट के बिना भी काम करता है क्योंकि भुगतान कार्ड में उपलब्ध शेष राशि से होता है। यह हमारे डिजिटल वॉलेट प्रणाली को राष्ट्रीय सार्वजनिक परिवहन से जोड़ने की दिशा में पहला कदम है, जिससे हर यात्री को सुरक्षित अनुभव मिलेगा और एनसीएमसी ढांचे के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर आपसी संचालन क्षमता को भी बढ़ावा मिलेगा।'

मलाइका अरोड़ा

संग डेटिंग की खबरों पर सोराब बेदी ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा का नाम इन दिनों एक बार फिर अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में है। अर्जुन कपूर से ब्रेकअप के बाद उनका नाम अक्सर किसी न किसी के साथ जोड़ा जाता रहा है। हाल ही सोराब बेदी के साथ उनके डेटिंग की खबरों ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी थी। अब इन अटकलों पर खुद सोराब बेदी ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान सोराब बेदी ने कहा कि वह मलाइका को काफी समय से जानते हैं। उन्होंने बताया कि मॉडलिंग के दिनों में मलाइका उन लोगों की करीबी दोस्त थीं, जो उन्हें मॉडलिंग शोज दिलवाते थे। इसी दौरान उनकी मुलाकात हुई और दोनों की दोस्ती हो गई। सोराब के मुताबिक वे पहले भी कई बार एक साथ पार्टियों में नजर आ चुके हैं और यह कोई नई बात नहीं है। सोराब ने आगे कहा कि उन्होंने पहले भी मलाइका के साथ तस्वीरें और वीडियो शेयर किए थे, लेकिन उस समय वह उतने मशहूर नहीं थे, इसलिए लोगों का ध्यान नहीं गया। हाल ही में एक पार्टी का वीडियो वायरल होने के बाद लोगों ने उनके रिश्ते को लेकर कयास लगाने शुरू कर दिए। उस वीडियो में दोनों साथ में डांस करते और जश्न मनाते नजर आए थे। मलाइका अरोड़ा इससे पहले अर्जुन कपूर के साथ अपने रिश्ते को लेकर चर्चा में रही थीं। इसके अलावा हाल के समय में उनका नाम डायमंड मर्चेंट हर्ष मेहता के साथ भी जोड़ा गया था। हालांकि, इन खबरों पर अभिनेत्री की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

नरगिस-सुनील दत्त की एनिवर्सरी पर भावुक हुई

प्रिया दत्त

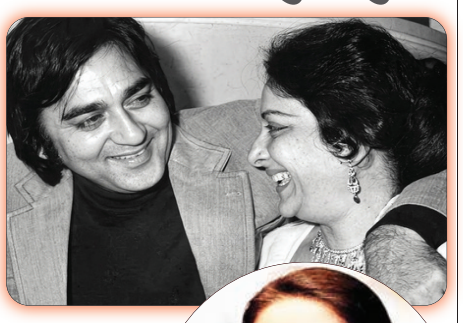

मुंबई। किसी ने नहीं सोचा था कि 'मदर इंडिया' के सेट से शुरू हुई लव स्टोरी हिंदी सिनेमा की सबसे प्यारी जोड़ी बनकर अपनी छाप छोड़ेगी। हम बात कर रहे हैं नरगिस और सुनील दत्त की, जिन्होंने आज के दिन सात फेरे लेकर एक दूसरे का हाथ थामा था। दोनों की बेटी और समाज सेविका प्रिया दत्त ने अपने माता-पिता को याद करते हुए उन्हें सालगिरह की बधाई दी है। नरगिस और सुनील दत्त दोनों ही इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन समय-समय पर प्रिया दत्त और संजय दत्त अपने माता-पिता को याद करते रहते हैं। अब प्रिया दत्त ने नरगिस और सुनील दत्त को शादी की सालगिरह की बधाई दी है। उन्होंने नरगिस और सुनील दत्त की पुरानी फोटो शेयर की, जिसमें वह अपने दोनों भाई और बहन के साथ दिख रही हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, "माता-पिता ने मिलकर एक ऐसे घर का निर्माण किया जो प्रेम, हंसी और संस्कारों से परिपूर्ण था। आज उनके अटूट प्रेम की वर्षगांठ है। उनके जीवन के हर दिन ने यह सिखाया कि सच्ची साझेदारी एक-दूसरे का संबल बनने, परस्पर समझ विकसित करने और छोटे-छोटे प्रयासों व साझा सपनों के माध्यम से एक-दूसरे को प्रेरित करने का नाम है।" उन्होंने आगे लिखा, "उनके इस पवित्र बंधन से मैंने सीखा कि प्यार धैर्य, सम्मान और आनंद में पनपता है। एक आदर्श साझेदारी कोमल होने के साथ-साथ मजबूत, व्यक्तिगत और दूरदर्शी भी हो सकती है। उनका जीवन मेरे लिए प्रेम और संवेदनाओं के साथ जीने का मार्गदर्शक है। मां और पापा को विवाह वर्षगांठ की हार्दिक शुभकामनाएं।" नरगिस और सुनील दत्त की लव स्टोरी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं थी।

बादशाह के 'टिटरी' गाने पर भड़कीं सोना मोहपात्रा, कहा- भद्दे शब्दों का प्रयोग करना क्रिएटिविटी नहीं

मुंबई। मशहूर रैपर और सिंगर बादशाह अपने नए गाने 'टिटरी' को लेकर विवादों में घिरे हुए हैं। गाने के रिलीज होते ही इसके बोल और वीडियो के कारण सोशल मीडिया पर भारी आलोचना शुरू हो गई थी। इसी कड़ी में मशहूर गायिका सोना मोहपात्रा ने भी गाने को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया दी। सोना ने बुधवार को अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक नोट शेयर किया। उन्होंने इस नोट पर लिखा कि यह कोई पहली बार नहीं है। हम पहले भी ऐसे कई मामले देख चुके हैं। सोना ने लिखा, "अक्सर कोई आदमी अपनी इन हरकतों से औरतों को सिर्फ आकर्षक चीज की तरह पेश करता है और खुद को हीरो बताने की कोशिश करता है, जैसे औरतें बस उसकी ऐसी हरकतों पर फिदा हो जाएंगी।" सोना ने रैप में भद्दे शब्द प्रयोग करने पर तंज कसा। उन्होंने लिखा, "'तू मुझपे मरती है, मुझपे जान चिड़कती है' जैसे पुराने और झूठे स्वैग दिखाना कोई क्रिएटिविटी नहीं है। यह पॉप कल्चर का सबसे आलसी और बोझिल तरीका है।" उन्होंने आगे कहा कि खुद को 'हरियाणा का बेटा' कहना और उदास चेहरा बनाना भी सही नहीं है। उन्होंने लिखा, "हरियाणा पहले से ही देश के सबसे खराब जेंडर रेश्यो, औरतों के खिलाफ हिंसा और ऑनर किलिंग से जूझ रहा है।

जुनैद खान और साई पल्लवी की फिल्म 'एक दिन' का ट्रेलर रिलीज

जुनैद खान और साई पल्लवी की आगामी फिल्म 'एक दिन' का ट्रेलर जारी कर दिया गया है। इस फिल्म का निर्माण आमिर खान के प्रोडक्शन हाउस अमीर खान प्रोडक्शन के बैनर तले किया गया है। खास बात यह है कि इस फिल्म के जरिए साई पल्लवी बॉलीवुड में अपना डेब्यू करने जा रही हैं। यह एक रोमांटिक-ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन सुनील पांडे ने किया है। कुछ दिन पहले फिल्म का टीजर सामने आया था, जिसे दर्शकों की ओर से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली थी। अब ट्रेलर रिलीज होने के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ गई है। करीब 2 मिनट 13 सेकंड लंबे ट्रेलर की शुरुआत जुनैद खान के किरदार से होती है, जिसकी ख्वाहिश होती है कि वह एक दिन के लिए ही सही, लेकिन मीरा (साई पल्लवी) को पा सके। उसकी यह इच्छा पूरी भी हो जाती है, लेकिन कहानी में एक रहस्यमयी मोड़ आता है, जहां उसका सपना टूटता नजर आता है। ट्रेलर में प्यार, दीवानगी और तड़प का भावनात्मक मिश्रण देखने को मिलता है। निर्माताओं के मुताबिक एक दिन 1 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में जुनैद खान और साई पल्लवी की जोड़ी को पहली बार बड़े पर्दे पर देखने के लिए दर्शक उत्साहित नजर आ रहे हैं।